वर्ष 24, अंक 305, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 12 मई 2025 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

देश की सुरक्षा में बड़ा कदम

रक्षा मंत्री ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस सुविधा का किया उद्घाटन

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस एकीकरण और परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें सशस्त्र बलों की ताकत और दुश्मन के खिलाफ देश की प्रतिरोधक क्षमता का संदेश हैं।

राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आज ब्रह्मोस एकीकरण एवं परीक्षण सुविधा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर, मुझे आपसे बात करके बहुत खुशी हो रही है। मैं व्यक्तिगत रूप से इसमें शामिल होना चाहता था। लेकिन आप जानते हैं कि मैं क्यों नहीं आ सका। हम जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उसे देखते हुए मेरे लिए दिल्ली में रहना महत्वपूर्ण था। इसलिए, मैं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आपसे जुड़ रहा हूँ।'

रक्षा मंत्री ने आगे कहा, 'आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस है। 1998 में इसी दिन अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में हमारे वैज्ञानिकों ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था और दुनिया को भारत की ताकत दिखाई थी। वह परीक्षण हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, रक्षा कर्मियों और कई अन्य हितधारकों के अथक प्रयासों का परिणाम था। हमने दुनिया को अपनी ताकत दिखाई है। ब्रह्मोस हमारे सशस्त्र बलों की ताकत और हमारे दुश्मन के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता का संदेश है। ब्रह्मोस अपने आप में हमारे दुश्मन के लिए एक संदेश है।'

पाकिस्तान पर साधा निशाना

पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान की आलोचना करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, 'भारत विरोधी और आतंकी संगठन जिन्होंने भारत माता के मुकुट (कश्मीर) पर हमला किया और कई परिवारों के 'सिंदूर' को मिटा दिया, भारतीय सशस्त्र बलों ने #ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उन्हें न्याय दिलाया। इसलिए, पूरा देश भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति आभार व्यक्त कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं है, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक भी है। आतंकवाद के खिलाफ यह ऑपरेशन भारत की इच्छाशक्ति और सैन्य शक्ति और क्षमता का प्रदर्शन भी था। हमने दिखाया है कि जब भी भारत आतंकवाद के खिलाफ कोई कार्रवाई करेगा, तो सीमा पार की जमीन भी आतंकवादियों और उनके नेताओं के लिए सुरक्षित नहीं होगी।'

रक्षा मंत्री ने आगे कहा, 'भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। हमने कभी उनके नागरिकों को निशाना नहीं बनाया। लेकिन पाकिस्तान ने न केवल भारत में नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया, बल्कि मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों पर भी हमला करने का प्रयास किया। वीरता और बहादुरी के साथ, भारतीय सशस्त्र बलों ने संयम दिखाया और पाकिस्तान में अन्य स्थानों को निशाना बनाकर करारा जवाब दिया। हमने न केवल सीमा के पास सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, बल्कि भारतीय सशस्त्र बलों की गूंज रावलपिंडी में भी सुनी गई, जहां पाकिस्तानी सेना का मुख्यालय स्थित है।'

अंत में उन्होंने कहा कि उरी की घटना के बाद, पूरी दुनिया ने देखा कि भारत में आतंकवादी हमले करने का क्या परिणाम होता है, जब हमारे सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की। उन्होंने पुलवामा के बाद भी देखा, जब बालाकोट एयरस्ट्राइक की गई। पहलगाम की घटना के बाद, दुनिया देख रही है कि कैसे भारत ने पाकिस्तान में घुसकर कई हमले किए। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के रास्ते पर चलते हुए, हमारे पीएम नरेंद्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह 'नया भारत' है जो सीमा के दोनों ओर आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कदम उठाएगा। हमारे पीएम ने यह बहुत स्पष्ट कर दिया है।

ब्रह्मोस मिसाइल की विशेषता

ब्रह्मोस मिसाइल एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जो अपनी गति और सटीकता के लिए जानी जाती है। यह मिसाइल विभिन्न प्लेटफार्मों से दागी जा सकती है।

'रावलपिंडी तक भारतीय सेना की धमक, पाकिस्तान में घुसकर मारा'

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने (6-7 मई) की रात ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, जिसके तहत पाकिस्तान में घुसकर नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया. इस हमले में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए. ऑपरेशन सिंदूर पर अब रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ा बयान दिया है.

लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन और टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारतीय सेना ने आतंकियों को जवाब दिया. इस ऑपरेशन को अंजाम देकर हमने दिखाया कि भारत आतंक के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है."

रक्षामंत्री ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा

रक्षामंत्री ने आगे कहा, "ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान में आतंक को खत्म करने के लिए लॉन्च किया गया था. भारतीय सेना ने पाकिस्तान में सिर्फ आतंकियों को निशाना बनाया, लेकिन पाकिस्तानी सेना ने आम नागरिकों को निशाना बनाया. इसके अलावा पाक सेना ने मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और गिरजाघर को निशाना बनाया."

राजनाथ सिंह ने आगे कहा, "भारतीय सेना ने शौर्य और पराक्रम के साथ-साथ संयम का भी परिचय देते हुए पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया है. हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही नहीं कार्रवाई की बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है."

आतंकी हमलों पर रक्षामंत्री ने कही ये बड़ी बात

रक्षामंत्री ने कहा, "भारत में आतंकवादी घटनाएं करने और कराने का क्या अंजाम होता है, यह पूरे विश्व ने उरी की घटना के बाद देखा जब हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुस कर सर्जिकल स्ट्राइक की,

पुलवामा के बाद देखा जब बालाकोट पर एयर स्ट्राइक की गई और अब पहलगाम की घटना के बाद दुनिया देख रही है ।

लखनऊ में गरजे सीएम योगी आदित्यनाथ

पाकिस्तानियों से पूछ लेना ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल की शक्ति का प्रदर्शन हुआ था। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान को इसके बारे में पता नहीं है, तो उनसे पूछना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि आतंकवाद को कुचलने का समय आ गया है और इसके लिए पूरे देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होना होगा।

योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटिग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन में कहा, 'ब्रह्मोस मिसाइल क्या होती है? आप लोगों ने आपरेशन सिंदूर के तहत इसके पराक्रम की एक झलक देखी है। अगर नहीं देखी होगी तो कम से कम पाकिस्तानियों पूछ लेना चाहिए कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है।'

योगी ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि किसी भी आतंकवादी घटना को अब युद्ध माना जाएगा। आतंकवाद को जब तक हम पूरी तरह कुचलेंगे नहीं तब तक समस्या का समाधान होगा नहीं। इसे कुचलने का समय आ गया है और इसके लिए पूरे भारत को एक स्वर में मोदी के नेतृत्व में एकजुट होना होगा।'

योगी ने कहा कि आतंकवाद एक 'कुत्ते की दुम' की तरह है जिसे कभी सीधा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, 'यह प्यार की मानने वाला नहीं है, उनको उसी में जवाब देने के लिए तैयार होना होगा और भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्?यम से दुनिया को एक संदेश दे दिया है।'

सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' की अवधारणा की सराहना करते हुए कहा कि सबसे पहले 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए भारत की सेनाओं, अपने सभी बहादुर जवानों, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री का हृदय से अभिनंदन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से हृदय से बधाई देता हूं।

राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की

नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकवादी हमले और सीमा पार से गोलीबारी के मामले में ताजा घटनाक्रम पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। राहुल ने अपने पत्र में लिखा, 'मैं विपक्ष के सर्वसम्मति से किए गए अनुरोध को दोहराता हूं कि संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए पहलगाम आतंकवादी हमले, 'ऑपरेशन सिंदूर' और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दोनों देशों के संघर्ष-विराम के लिए तैयार होने की घोषणा पर चर्चा करना अहम है।

भारत-पाकिस्तान युद्धविराम समझौते का Pope Leo ने किया स्वागत, दुनिया से की ये अपील

नई दिल्ली

पोप लियो xiv ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह सुनकर खुशी हुई कि दोनों देशों ने संघर्ष विराम पर सहमति जताई है और उम्मीद है कि बातचीत से दोनों देशों के बीच स्थायी समझौता होगा। पोप लियो xiv ने अपने बयान में युद्ध विराम के महत्व पर जोर दिया और कहा कि यह दोनों देशों के लिए एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देश बातचीत के माध्यम से अपने मतभेदों को सुलझाने का प्रयास करेंगे। पोप लियो IV ने चुनाव के बाद सेंट पीटर्स स्क्वायर में भीड़ को दिए अपने पहले रविवार के संदेश में में दुनिया भर में शांति की अपील की और कहा कि अब युद्ध का समय नहीं है। उन्होंने दुनिया की प्रमुख शक्तियों से शांति और समझौते के लिए काम करने का आग्रह किया। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम पर सहमति बनने के एक दिन बाद ही पाकिस्तान ने अपनी हरकतें बंद नहीं कीं।

ऑपरेशन सिंदूर जारी है! प्रधानमंत्री मोदी का पाकिस्तान को क्लियर मैसेज

'वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा'

नई दिल्ली: ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पाकिस्तान को वो जख्म दिए हैं, जिन्हें भरने में लंबा वक्त लगेगा. ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने 100 से ज्यादा आतंकियों को जहन्नुम के रास्ते पर भेजने के साथ ही 9 आतंकी अड्डों और पाकिस्तान के सैन्य बुनियादी ढांचों को राख के ढेर में बदल दिया. पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही भारत ने दुनियाभर के सहयोगी देशों से बातचीत की थी. इस बातचीत में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जानकारी भले न दी गई हो, लेकिन भारत ने जिन भी देशों से बातचीत की, उन सभी को साफ तौर पर बता दिया गया था कि इस बार सख्त एक्शन होगा. भारत का रुख इस मामले में बिल्कुल साफ था.

पाकिस्तान को पहले ही बता दिया था

सूत्रों के मुताबिक भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी शिविरों पर हमला करने के बाद पाकिस्तान को भी बता दिया था.

7 मई, 2025 की सुबह उच्चतम लेवल पर जानकारी दी गई थी. आतंकी शिविरों पर मिसाइल स्ट्राइक के बाद भारत ने पाकिस्तान को जवाबी कार्रवाई के बारे में बताया था।

भारत ने अपनी शर्तों पर किया सीजफायर का ऐलान

वहीं, सीजफायर के लिए पाकिस्तान के गिड़गिड़ाने और अमेरिका के साथ बातचीत होने के बाद भारत ने अपनी शर्तों पर युद्धविराम का ऐलान किया. सीजफायर से पहले 9 मई, 2025 की रात अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत की थी.

पाकिस्तान के 8 एयरबेस को बनाया निशाना

सूत्रों के मुताबिक भारत का रूख साफ था कि पाकिस्तान अगर कुछ भी करेगा तो हम उसको बड़ा जवाब देंगे।

'युद्ध भारत की पसंद नहीं था...': एनएसए डोभाल

नई दिल्ली

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार के साथ बातचीत की, जबकि दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। चीन ने अपने सदाबहार दोस्त पाकिस्तान का समर्थन करते हुए कहा कि वह इस्लामाबाद की "संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय स्वतंत्रता" को बनाए रखने में उसके साथ खड़ा रहेगा। चीनी सरकार के एक बयान के अनुसार, एनएसए डोभाल से बात करते हुए वांग ने पहलगाम आतंकवादी हमले की चीन की निंदा की और आतंकवाद के सभी रूपों का विरोध किया।

चीनी विदेश मंत्रालय ने एनएसए डोभाल के हवाले से कहा, "पहलगाम आतंकवादी हमले में भारतीय कर्मियों को गंभीर क्षति हुई है और भारत को आतंकवाद विरोधी कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

सीजफायर के बावजूद भारत की सख्ती बरकरार,

पाकिस्तान के खिलाफ 6 अहम फैसले, जो अब भी लागू

नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद बढ़े तनाव के बीच युद्ध विराम पर सहमति जताई है। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। युद्ध विराम के लिए दोनों देशों के अधिकारियों के बीच सीधे संपर्क हुआ, जिसमें पाकिस्तान ने बिना किसी शर्त के सहमति जताई। युद्ध विराम के पीछे की वजह भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच सीधे संपर्क को माना जा रहा है, जिसमें दोनों पक्षों ने तनाव कम करने के लिए सहमति जताई। यह युद्ध विराम ऐसे समय में हुआ है जब सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सटीक हमला किया था। भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में, पाकिस्तान ने एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर मिसाइलों और ड्रोनों को लॉन्च किया। हालांकि, भारतीय सेना की वायु रक्षा प्रणालियों ने इन हमलों को सफलतापूर्वक रोक दिया था।

सिंधु जल संधि का निलंबन

सरकारी सूत्रों ने पुष्टि की है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम समझौते के बावजूद सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि इस समझौते में कोई पूर्व शर्त नहीं है, और सिंधु जल संधि पर रोक जारी रहेगी। 1960 में विश्व बैंक द्वारा मध्यस्थता की गई सिंधु जल संधि भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के वितरण और उपयोग को नियंत्रित करती है। इस संधि से ऐतिहासिक रूप से पाकिस्तान को लाभ हुआ है, जिसे इन नदियों से कुल जल प्रवाह का लगभग 80% प्राप्त होता है, जो कृषि के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर पंजाब और सिंध प्रांतों में।

अटारी एकीकृत चेक पोस्ट बंद

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अटारी में एकीकृत चेक-पोस्ट बंद कर दी गई थी। यह निर्णय एक सप्ताह तक भारी सीमा पार आवाजाही के बाद लिया गया था। चेक पोस्ट को बंद करने का निर्णय दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने के लिए लिया गया था। वैध दस्तावेजों के साथ सीमा पार करने वालों को 1 मई से पहले उसी रास्ते से वापस लौटने का निर्देश दिया गया था।

व्यापार पर प्रतिबंध

पाकिस्तान से सभी आयातों पर प्रतिबंध जारी रहेगा, चाहे वह सीधे आयात हो या किसी अन्य देश के माध्यम से। इसके अलावा, पाकिस्तान के जहाजों को भारतीय बंदरगाहों में आने की अनुमति नहीं होगी और भारतीय जहाजों को पाकिस्तानी बंदरगाहों तक जाने की अनुमति नहीं होगी। विदेश व्यापार नीति में एक नए नियम के अनुसार, पाकिस्तान से आने वाले सभी सामानों का आयात अब प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह नियम तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है और आगे के आदेश तक लागू रहेगा। यह एक बहुत ही सख्त कदम है जो दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को प्रभावित करेगा।

भारत ने पाकिस्तान के लिए हवाई क्षेत्र बंद किया

भारत ने पाकिस्तान से आने वाली या पाकिस्तान से होकर जाने वाली उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने का निर्णय लिया है।

शराब का पैसा न देने पर पोता ने दादी का काटा गला, मुकदमा

अखंड भारत संदेश

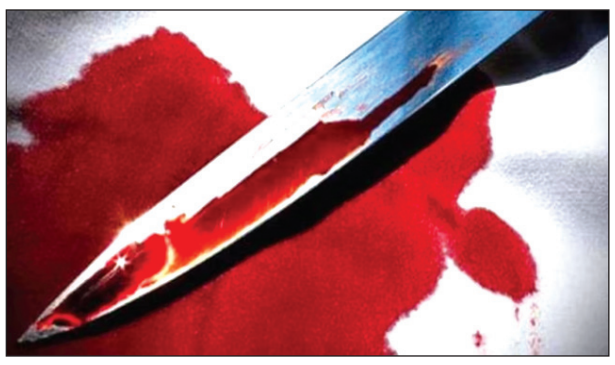

सोरांव। स्थानीय थाना क्षेत्र के रामनगर उमरी उर्फ निजामपुर गांव में रविवार दोपहर करीब बजे एक 80 वर्षीय वृद्ध महिला अपने चारपाई पर घर में लेती थी तभी परिवार का ही महिला का पोता शराब पीकर आया और अपनी दादी से और शराब पीने के लिए पैसा मांगने लगा। जब महिला ने पैसा न होने की बात कही तो इतने में पोता आग बबूला हो गया और बगल में रखें वसुला (लकड़ी छीलने का धारदार हथियार) से वृद्धि महिला का गला काट कर हत्या कर दिया।

रामनगर उमरी उर्फ निजामपुर निवासिनी सरयू देवी (80) पत्नी शंकर लाल रविवार को अपने घर में अकेली लेटी थी तभी वृद्ध महिला के देवर राजकरण का लड़का केशव (42) अपनी दादी के पास आया और शराब पीने के लिए पैसे की मांग किया। जब वृद्ध महिला ने पैसा न होने की बात कही तो इतने में युवक आग बबूला हो गया और बगल में पड़े बसुला (लकड़ी छीलने का हथियार) से अपनी दादी के ऊपर वार कर दिया जिससे वृद्ध महिला की गर्दन कट गई और मौके पर ही मौत हो गई। हत्या करके आरोपी युवक आला कत्ल लेकर वही बगल में खड़ा हुआ था। इतने में गांव वालों ने देखा पुलिस को सूचना दी सोरांव पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा हत्यारा पोता को गिरफ्तार कर थाने ले आई।

मृतिका के सगे पोता सतीश कुमार ने सोरांव थाने पर तहरीर देकर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया है पुलिस जांच कर रही है।

पुरानी रंजिश में मार पीट, दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। पुरानी रंजिश को लेकर मारा पीटा गया तथा जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के जाम्हा तेजपुर गांव निवासी विन्देशरी प्रसाद यादव पुत्र राधेश्याम का आरोप है कि वह किरांव चौराहे पर एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए खडा था। आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर उसे मारा पीटा गया और जान से मारने की धमकी दी गई। मऊआइमा पुलिस ने सिंसई सिपाह निवासी दिलशाद अहमद कल्लू और इकराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

कौंधियारा में पैंतीस किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

कौंधियारा में गांजा सहित तीन तस्करों के गिरफ्तारी के बाद मीडिया को जानकारी देते एसीपी कौंधियारा विवेक यादव

प्रयागराज। कौंधियारा पुलिस ने तीन गांजा तस्कर को रविवार को दबोच लिया। आरोपी के पास से लगभग 35 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। तस्कर की पहचान विपिन सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह (30) निवासी ग्राम बंटेनिया जसरा थाना घूरपुर, जय कुमार (32) पुत्र जीवन लाल कुशवाहा निवासी ग्राम तरौल थाना करछना व अंश सोनी (16) पुत्र नारायण प्रसाद सोनी निवासी ग्राम जसरा थाना घूरपुर के रूप में हुई है।

थाना प्रभारी कौंधियारा कुलदीप शर्मा ने बताया कि मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि तस्कर गांजे की बड़ी खेप के साथ थाना क्षेत्र में दाखिल हुआ है। इसके बाद तुरंत टीमों को अलर्ट किया गया और वाहनों की चेकिंग होने लगी। कौंधियारा थाना क्षेत्र के कैथी नहर पुलिया के पास पुलिस ने तीनों अपराधियो को संदिग्ध अवस्था में देखा। उसके पास बड़ी बोरी थी। पुलिस ने जब बोरी की तलाशी ली तो बोरी में लगभग 35 किलो से ज्यादा गांजा मिला। पूछताछ करने पर पता चला कि गिरफ्त में आए तीनो ही तस्कर हैं और उनमें से विपिन सिंह खिलाफ पहले से ही अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार तस्कर लंबे समय से अवैध रूप से गांजे की बिक्री में संलिप्त था और वह यह काम काफी समय से कर रहा था।

आरोपियों के पास से बाइक सहित तीन मोबाइल भी जब्त किया गया है। आरोपी ने कई अन्य जगहों पर भी गांजे की आपूर्ति की थी और उसका नेटवर्क काफी विस्तृत था। तीनों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है।

तेज आधी में कार पर गिरा पेड़, बाल-बाल बचे अखबार के प्रबंधक व दो पत्रकार, कार क्षतिग्रस्त

परानीपुर सच्चा आश्रम बबा महाराज का दर्शन करके लौटते समय हुआ हादसा

अखंड भारत संदेश

तेज आंधी तूफान से टूटकर सड़क पर गिरता पेड़

करछना। बेमौसम बारिश और तेज आंधी तूफान से रविवार की दोपहर यमुनापार के कई इलाकों में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। जहां बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं तेज आंधी पानी से क्षेत्र में कई पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए हैं। वहीं यमुनापार के मेजा खानपुर के पास रविवार की दोपहर एक पेड़ टूटकर कार पर आ गिरा। गनीमत रही है कि इस घटना में कार में सवार तीन लोग बाल-बाल बच गए।

रविवार की दोपहर 01.40 बजे के दरमियान हुई घटना के प्रत्यक्षदर्शी अखंड भारत संदेश के संपादक अनूप मिश्र ने बताया कि रविवार को परानीपुर स्थित बबा महाराज से दर्शन कर घर को वापिस लौट रहे थे। उनके साथ दैनिक भास्कर अखबार के वरिष्ठ संवाददाता संतोष यादव व हिन्दुस्तान अखबार के संवाददाता अमित पाण्डेय भी मौजूद थे। कार वह स्वयं चला रहे थे। इस दौरान उनके आगे चल रही कार एमजी हेक्टर पर सड़क के किनारे लगा सेमर का सूखा पेड़ आ गिरा। चलती कार पर अचानक पेड़ के गिरने से गाड़ी छतिग्रस्त हो गई। आनन-फानन में तेज आंधी पानी के बीच गाड़ी से उतरकर पेड़ को रास्ते से हटाया गया।

अखंड भारत संदेश के संपादक अनूप मिश्र ने जिला प्रशासन से मांग की कि सड़कों के किनारे लगे ऐसे पेड़ों को कटवाया जाए जो इस तरह की घटना का कारण बन सकते हैं।

पेड़ गिरने से क्षतिग्रस्त कार को देखते प्रबंधक

बाइक सवार युवकों की चार पहिया वाहन से हुई जोरदार भिड़ंत एक की मौत, चार घायल

फूलपुर। रात में बारात से वापस घर जा रहे बाइक सवार युवकों की चार पहिया वाहन से जोरदार भिड़ंत हो गई जिससे एक युवक की मौत हो गई वहीं चार गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी फूलपुर में भर्ती कराया। वहीं मृतक युवक का परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया। उतराव थाना क्षेत्र के भदवा गांव निवासी रामराज के पुत्र राजू गौतम की बारात शनिवार को फूलपुर थाना क्षेत्र के सलमापुर गांव रामपति गौतम के यहां गई थी। बारात में शामिल होने के बाद वीरकाजी गांव निवासी सोनू ,राजा,अनिरुद्ध अभिषेक व सराय चंदी गांव निवासी अनुज गौतम दो बाईक से अपने अन्य साथियों के साथ रात करीब 12 बजे घर वापस जा रहे थे। अभी वह फूलपुर थाना क्षेत्र के लिलहट गांव के पास पहुंचे ही थे की एक चारपहिया वाहन से बाइकों की जोरदार भिड़ंत हो गई। जिससे सराय चंदी गांव निवासी अनुज की 18 की मौत हो गई। वहीं अन्य चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी फूलपुर में भर्ती कराया। वहीं सूचना पर घबराए परिजन भी मौके पर पहुंच गए और घायल युवकों को क्षेत्र के निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां उनका इलाज चल रहा है।

रजनीश भारती का हुआ स्वागत

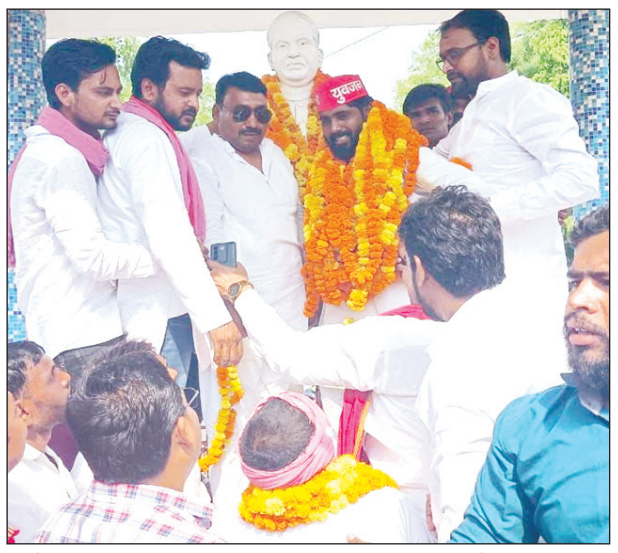

झूंसी। समाजवादी युवजन सभा का राष्ट्रीय महासचिव बनाये जाने के पश्चात रविवार को रजनीश भारती के प्रयागराज आगमन पर समाजवादियों ने उनका जोरदार स्वागत कर सपा के राट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रति आभार जताया।

रजनीश पासी सपा कार्यकर्तओं के साथ हाई कोर्ट स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सिविल लाइन हनुमान मंदिर के पास स्थित डॉ लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर आशुतोष तिवारी, पप्पू पासी, रेहान अहमद, सोनू पांडे, पूर्व मंत्री रामानंद भारती, योग्य यादव, चंद्रजीत यादव, अनिल यादव, रमाकांत पटेल, रत्नेश यादव, शिव शंकर, गोलू पासवान, राहुल भारती, अजय भारती सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

किराना कारोबारी से बाइक सवार बदमाशों ने लूटा लाखों रुपये

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। दुकान बंद कर के किराना कारोबारी अपने घर पैदल जा था कि रास्ते मे एक बाइक पर सवार तीन बदमाशो ने कारोबारी का बैग छीन कर तमंचा लहराते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये।जिस की तहरीर कारोबारी ने थाने में दी पुलिस तहरीर ले कर मामले की जांच कर रही है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम महमदपुर सराय अली जोगापुर ब्लाक बाजार निवासी किराना कारोबारी उमेश चन्द्र पुत्र राम-लखन शनिवार को देर शाम दुकान बंद कर के पैदल घर जा रहे थे।बताया गया है कि एक बाइक पर तीन सवार बदमाशों ने उमेश चन्द्र का पैसों से भरा झोला छीन कर तेजी से भागे पीछे शोर मचाते हुए उमेश चन्द्र पीछा किया। बदमाश तमंचा लहराते हुए गोली मारने की धमकी देते हुए विकास खंड कार्यालय की ओर भाग गए। भुक्तभोगी उमेश चन्द्र ने इसकी सूचना मऊआइमा पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस हाय तौबा कर के वापस लौट गयी। भुक्तभोगी ने मऊआइमा थाने में रविवार तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ तहरीर दी है। उमेश चन्द्र के अनुसार उनके दुकान का दिनभर की बिक्री का एक लाख दस हजार रुपए,तथा दुकान की चाभी और कागजात लूट ले गए। पुलिस तहरीर लेकर मामले की जांच कर रही है।

कार को बचाने के प्रयास में ट्रक ने तोड़ा बिजली का पोल, आपूर्ति हुई बाधित

जंघई। जंघई बाजार के समीप भूलेंद्र गांव के पास शनिवार की देर रात साढ़े ग्यारह बजे अनियंत्रित ट्रक ने एक अर्टिगा कार को टक्कर मारते हुए रोड के किनारे लगे 440 बोल्ट के खंभे से टकरा गई। ट्रक के धक्के से विद्युत पोल टूटकर गिर गया और बिजली की आपूर्ति लगभग तीन घंटे बाधित रही। वहीं ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया सूचना पर पहुंचे बिजली विभाग चंपापुर के जेई सुधीर कुमार एवं कर्मचारियों ने पोल को सीधा किया व टूटे तारों को जोड़कर आपूर्ति बहाल किया गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। बताया जाता है की भूलेंद्र गांव के समीप एक कार को बचाने के प्रयास में रोड के किनारे लगे विद्युत पोल में दुगार्गंज की ओर से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी इससे पोल टूटकर ट्रक पर गिर पड़ा पोल के गिरते ही बिजली की आपूर्ति ठप हो गई इससे उमसभरी गर्मी में लोगों को परेशान होना पड़ा। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे बिजली विभाग के कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त पोल की मरम्मत करने के साथ टूटे तारों को जोड़कर आपूर्ति बहाल की। इस दौरान लगभग तीन घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही बिजली आने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

मंदिर परिसर के आसपास शराबियों व अराजकतत्वों के खिलाफ होगी कार्यवाही

अखंड भारत संदेश

देवरा टोंस नदी पटपर के स्नान घाट का निरीक्षण करते डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव

प्रयागराज। शनिवार को थाना समाधान दिवस के मौके पर डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव कौंधियारा थाने पहुंचे। थाने में निरीक्षण के बाद उन्होंने फरियादियों की समस्याएं सुनी और उनके निस्तारण का निर्देश भी दिया। निरीक्षण के बाद डीसीपी यमुनानगर, एसीपी कौंधियारा विवेक यादव, थाना प्रभारी कौंधियारा कुलदीप शर्मा व पुलिस बल सहित देवरा पाटलेस्वर धाम पहुँचे। टोंस नदी का भ्रमण किया, साथ ही सुरक्षा हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

डीसीपी यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने टोंस नदी के पास रात्रि ग्यारह बजे तक सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद रखने के लिए थाना प्रभारी कौंधियारा को निर्देशित किया। उन्होंने टोंस नदी तट पर आने जाने के लिए मुख्य मार्ग के अतिरिक्त अन्य मार्गों को बंद करने को कहा। ग्रामीणों से बात करने के बाद उन्होंने शराबियों व अराजकतत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने की भी बात कही।

स्थानीय लोगों की मांग पर देवरा टोंस नदी पटपर की तरह सोढिया पटपर को भी चिह्नित कर जल्द ही बोर्ड लगाने की बात कही। गौरतलब है कि सोढिया पटपर में भी अब तक दर्जनों शैलानियों की पानी में डूबने से मौत हो चुकी है।

अच्छी कार्यकारिणी गठन के लिए अच्छे कार्यकर्ताओं का होना आवश्यक : महापौर गणेश केसरवानी

अखंड भारत संदेश

कार्यक्रम को संबोधित करते महापौर

सहसों। भारतीय जनता पार्टी गंगापार द्वारा मंडल कार्यकारिणी गठन के लिए कार्यशाला बैठक का आयोजन छत्रपति शिवाजी पीजी कॉलेज सहसों में रविवार को आयोजित किया गया। कार्यशाला बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर तथा वंदे मातरम गीत से किया गया। बैठक में शामिल तीन मण्डल के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि अच्छी कार्यकारिणी के गठन के लिए अच्छे कार्यकताओं का होना एवं निर्माण करना बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने पार्टी की रीति नीति को विस्तृत रूप से समझते हुए कहा कि कार्यकताओं का ध्यान देना हम सभी श्रेष्ठों का परम कर्तव्य है। फूलपुर सांसद प्रवीण सिंह पटेल ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की ऊर्जा हैं। मंडल के पदाधिकारी पूरे संगठन को चलता है। पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडे ने कार्यकारिणी गठन पर विस्तार पूर्वक कार्यकताओं का मार्ग दर्शन किया मंडल कार्यकारिणी गठन की रूपरेखा तैयार की। कार्यक्रम के संयोजक जिला उपाध्यक्ष गंगापार अनिरुद्ध सिंह पटेल ने कहा कि महिलाओं, अनुसूचित वर्ग एवं ओबीसी वर्ग का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाए जिससे पार्टी को और मजबूती मिल सके। बैठक की अध्यक्षता जिले के उपाध्यक्ष किरण त्रिवेदी एवं संचालन मंडल के महामंत्री पवन कुमार शुक्ला ने किया। कार्यशाला बैठक में मुख्य रूप मण्डल अध्यक्ष सहसों पुष्कर पटेल, अनिल मौर्य, रणविजय सिंह सरोज, जिला महामंत्री मनोज निषाद, कुंवर मृगेंद्र सिंह, आलोक कुमार गुप्ता, कमलेश पाल, गिरजा शंकर, डॉ राजेंद्र वर्मा, लक्ष्मी कांत काका, शुभम मिश्रा, रमेश पटेल, अमर सिंह, दिनेश सिंह, अनिल सरोज, राजेश सरोज, विमल मिश्रा, रंजय पटेल, आभा सिंह, शकुंतला शुक्ला, ललिला पटेल, दया सिंह, राकेश विश्वकर्मा सहित आदि पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माता के सम्मान में बच्चों दी मनमोहक प्रस्तुति

हनुमानगंज। धनैचा मलखानपुर स्थित आशुतोष मेमोरियल स्कूल में शनिवार को मदर्स डे के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में माताएं उपस्थित रहीं और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। स्कूल प्रांगण में आयोजित समारोह में बच्चों ने अपनी माताओं के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गीत से की गई, जिसके बाद बच्चों ने दिल को छू लेने वाले कार्यक्रम और कविताएं प्रस्तुत कीं। स्कूल के प्रबंधक ने अपने संबोधन में माताओं की भूमिका को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि माँ सिर्फ परिवार की धुरी नहीं, बल्कि समाज की रीढ़ होती हैं। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक श्रेया पांडे ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन वातेन्द्र सिंह ने किया` अंत में ट्रस्टी ममता पांडे ने सभी माताओं को उपहार देकर सम्मानित किया।

माफिया अतीक के वकील विजय मिश्रा की पैरोल खारिज

रविवार को विशेष बेंच बैठी, मां के अंतिम संस्कार में शामिल होने की मांग की थी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के वकील व उनके करीबी रहे हाईकोर्ट के वकील विजय मिश्रा की अपील रविवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दी।नैनी सेंट्रल जेल से इटावा जेल भेजे गए वकील विजय मिश्रा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर अपनी माता के अंतिम संस्कार में भाग लेने की मांग की थी। रविवार को छुट्टी के दिन विशेष बेंच इस मामले को सुनने के लिए बैठी। विजय मिश्रा के वकीलों ने दलीलें दीं तो सरकारी वकील ने तर्क पेश किए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति संजय सिंह ने याचिका खारिज कर दी।

विजय मिश्रा ने अपने अधिवक्ता मंजू सिंह के जरिए यह विशेष अपील दाखिल करके जेल से रिहा किए जाने की मांग की थी। कहा गया था कि वह अपनी मां के अंतिम संस्कार में भाग शामिल होना चाहते हैं।सरकार की ओर से प्रतिवाद करते एडवोकेट एके संड ने पुलिस की वह आख्या प्रस्तुत की जिसके तहत विजय मिश्रा की माता का अंतिम संस्कार गत दिवस कर दिया गया । साथ ही परिवार में उनके भाई वह अन्य लोगमौजूद हैं। दोनों तरफ की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति संजय सिंह ने अपील खारिज कर दी। विजय मिश्रा वर्तमान में इटावा जेल में बंद है।

पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा का हुआ तबादला, जोगिंदर सिंह बने नए पुलिस आयुक्त

प्रयागराज। प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा का तबदला कर दिया गया है। उनके स्थान पर कानपुर के आईजी जोगिंदर सिंह को नया पुलिस आयुक्त बनाया गया है। जोगिंदर सिंह 2007 बैच के आईपीएस हैं। तरुण गाबा अब लखनऊ के पुलिस महानिरीक्षक बनाए गए हैं। वह कमिश्नरी के दूसरे आयुक्त थे। प्रयागराज कमिश्नरी बनने के बाद पहला पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा को बनाया गया था। 24 जून 2024 को उनका तबादला कर दिया गया। उनके स्थान पर तरुण गाबा को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। गाबा ने महाकुंभ के आयोजन में अहम भूमिका निभाई थी।

एक राष्ट्र एक चुनाव विकसित राष्ट्र निर्माण को देगा मूर्त रूप : महापौर

एक राष्ट्र एक चुनाव के निमित्त मेजा के विसहिजन कला स्थित वृंदावन गेस्ट हाउस में भाजपाइयों ने आयोजित किया व्यापारी समागम कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरवानी

मेजा। एक राष्ट्र एक चुनाव विकसित राष्ट्र निर्माण को मूर्त रूप देगा। बार-बार चुनाव राष्ट्रीय सामाजिक एकता और अखंडता के लिए खतरा है। देश की आर्थिक स्थिरता और विकास प्रभावित होती है। विपक्षी कांग्रेसी और जातिवादी पार्टियां अब परिवारवादी पार्टियां बन समाज की भावनाओं को भड़काकर राजनीति कर समाज को ध्वस्त कर भारत के सामाजिक ताना-बाना को छिन्न-भिन्न कर आर्थिक रूप से कमजोर करने का कार्य करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक राष्ट्र एक चुनाव का सुझाव लिया जा रहा है, व्यापारियों सहित हर वर्ग में जनजागरण का कार्य किया जा रहा है। समाज का जागरण कराने के लिए प्रधानमंत्री ने जनता जनार्दन के विचारों को लेकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भारत बनाने का कार्य करना चाहते हैं। उक्त बातें एक राष्ट्र एक चुनाव के निमित्त भाजपा यमुनापार जिला द्धारा के वरिष्ठ नेता जय शंकर पाण्डेय की अध्यक्षता में रविवार को वृंदावन गेस्ट हाउस विसहिजन कला मेजा रोड़ में आयोजित व्यापारी समागम को प्रयागराज के महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद व्यापारियों से अनुरोध किया कि आप सभी भी जनजागरण के माध्यम से विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जन जागरण अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करें। उक्त आशय की जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने देते हुए बताया कि स्वागत कार्यक्रम के संयोजक पूर्व चेयरमैन कोरांव नरसिंह केशरी ने किया। कार्यक्रम में आभार एवं समापन जय शंकर पाण्डेय तथा संचालन सत्य प्रकाश केशरी ने किया। इस अवसर पर नगर पंचायत सिरसा के चेयरमैन लखन केसरी, ब्लाक प्रमुख मुकेश कोल, जिलामंत्री कृष्ण दास गुप्ता नाथू, प्रकाश शुक्ल प्रचंड, जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, मंडल प्रभारी अमरेश तिवारी, सह संयोजक अजय सिंह, आर्यन शुक्ला आदि के अलावा भारी संख्या में व्यापारी गण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मातृत्व केवल जन्म देने तक सीमित नहीं बल्कि त्याग धैर्य करुणा आशीर्वाद का है स्वरूप : शालिनी सिंह

मातृ दिवस पर जेडीयू की प्रदेश उपाध्यक्ष ने परंपरागत टीम के साथ बांदा के वृद्धाश्रम पहुंच कर माता पिता तुल्य बुजुर्गों के साथ मनाया मदर्स डे,लिया आशीर्वाद उपहार स्वरूप दिया जरूरत की सामग्रियां

अखंड भारत संदेश

वृद्धाश्रम में जरूरत की सामग्री वितरित करतीं जेडीयू की प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सिंह

मेजा। एक ओर जहां आज की पीढ़ी डिजिटल दुनिया में मदर्स डे को सोशल मीडिया पोस्ट तक सीमित कर देती है, वहीं जनता दल यूनाइटेड की प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल हर वर्ष इस दिन को धरातल पर ले जाने का कार्य करती हैं। परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी उन्होंने अपनी टीम के साथ बांदा स्थित वृद्धाश्रम में पहुंचकर वहां रह रहे माता-पिता तुल्य बुजुर्गों के साथ पूरे उत्साह पूर्वक मदर्स डे मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत केक काटकर की गई, जिसमें वृद्धाश्रम के सभी बुजुर्गों ने भाग लिया। इसके बाद जेडीयू नेत्री शालिनी सिंह पटेल ने अपनी टीम के साथ मिलकर बुजुर्गों को फल, खाद्यान्न सामग्री, गर्म कपड़े और जरूरत की अन्य वस्तुएं वितरित किया। उल्लेखनीय है कि इस दौरान उन्होंने हर एक बुजुर्ग के पास जाकर उनका हालचाल जानने बाद उनका आशीर्वाद लिया और उनके अनुभवों को सुना। गौरतलब है कि संवेदनशीलता और क्षेत्र वासियों के लिए सेवा की मिसाल बनी शालिनी सिंह पटेल ने इस मौके पर कहा कि मातृत्व केवल जन्म देने तक सीमित नहीं है। यह त्याग, धैर्य, करुणा और आशीर्वाद का वह रूप है जो इन बुजुर्गों में बसता है। हम अगर इनका साथ छोड़ दें तो आने वाली पीढ़ी संवेदनहीन हो जाएगी। यह कार्यक्रम सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि संस्कारों को जीवित रखने की एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि माता-पिता से बड़ा कोई भगवान भी नहीं हैं। कार्यक्रम के दौरान भावुक शालिनी का कहना था, कि आज जो भी युवा और युवती जीवन में कुछ बन पा रहे हैं, वह अपने माता-पिता की बदौलत हैं,इस बात को हमें कभी नहीं भूलना चाहिए। माता-पिता का आशीर्वाद और उनका साया ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने आगे कहा कि अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम में छोड़ देना सिर्फ उनके साथ अन्याय नहीं, बल्कि अपने भविष्य के साथ भी अन्याय है। अपने घर में माता-पिता को स्थान दें यह हमारा कर्तव्य है बोझ नहीं। कार्यक्रम के दौरान कई बुजुर्गों की आंखों में खुशी और भावुकता साफ दिखाई दी। उन्होंने कहा कि शालिनी बेटी हर साल हमसे मिलने आती है, हमारे लिए केक लाती है, बातें करती है। लगता है जैसे अपना परिवार आ गया हो। बता दें कि शालिनी सिंह पटेल पिछले कई वर्षों से मदर्स डे जैसे खास मौकों पर वृद्धाश्रम में पहुंचकर सेवा करती आ रही हैं। उनका मानना है कि बुजुर्गों की सेवा से ही समाज की जड़ें मजबूत होती हैं।

उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि इंस्टाग्राम पर स्टोरी डालना अच्छा है, लेकिन उससे पहले अगर किसी बुजुर्ग का हाथ थाम लिया जाए, तो वह सबसे बड़ी इंसानियत होगी। हमारे संस्कारों की असली परीक्षा हमारे व्यवहार में झलकती है। इस मौके पर जेडीयू जिला उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ बांदा आदित्य गोस्वामी वरिष्ठ पत्रकार रजनी द्विवेदी , दिलीप द्विवेदी, नवीन कुमार मिश्रा, अवधेश कुमार तिलक लगाकर सभी बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया।

फांसी के फंदे से लटका मिला 25 वर्षीय युवक का शव

करछना।थाना करछना अंतर्गत बसही गांव निवासी पुनीत पांडे पुत्र वीरेंद्र कुमार शव फांसी के फंदे से लटका मिला वहीं मृतक की पत्नी ने हत्या का आरोप लगाया है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि यह दो भाइयों में से बड़े भाई थे दूसरा भाई दिल्ली में रहता है जिसका नाम सुमित है परिजनों का कहना है कि इनका विवाह लव मैरिज से हुआ था जिसका नाम नंदनी पांडेय है जो की ग्राम सभा बसही के अंतर्गत सरोहा का पूरा में है घर वालों का कहना है कि इनकी मृत्यु फांसी से नहीं बल्कि मर्डर हुआ है स्थानीय पुलिस द्वारा शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

सामान न देने पर आरोपियों ने दुकानदार को बेरहमी से पीटा

मांडा। क्षेत्र के दिघिया बाजार का एक दुकानदार द्वारा ग्राहक को सामान न देना भारी पड़ गया। सामान ऑने पौने दाम में न देने आरोपियों ने दुकान में घुसकर तोड़ फोड़ करने के बाद दुकान दार की जमकर बेरहमी से पिटाई कर दी। जिससे दुकान दार को काफी अंदरूनी चोटे आई है। गौरतलब हो कि रविवार को धर्मदास केशरी पुत्र रामप्रसाद निवासी दिघिया थाना माण्डा के दुकान पर अशोक कुमार पुत्र राजेंद्र प्रसाद निवासी भरूही ने दुकानदार धर्मदास केशरी से दूध का पैकेट मागंने पर मना कर दिया। जिससे नाराज अशोक कुमार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी ग्राम भरूही सिद्धांत मिश्रा पुत्र अशोक मिश्रा, दिवाकर दुबे पुत्र कृपाशंकर दुबे, दीपांशु पुत्र बद्री विशाल तिवारी, स्वाति मिश्रा पत्नी अशोक मिश्रा ने दुकान दार को अपशब्दो का प्रयोग करते हुए दुकान मे घुसकर तोड़फोड़ करने के बाद आरोपियों ने दुकानदार को लात घुसो से मारना पीटना शुरू कर कर दिया। वही आरोपी अशोक कुमार की पत्नी स्वाति मिश्रा ने दुकानदार की उगंली को दांत से काट लेने से घायल हो गया। भुक्त भोगी के तहरीर पर आरोपियों खिलाफ मुकदमा दर्ज शान्ति भंग में चालान कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया है ।

कब बनेगी नीवी से लालापुर सड़क, तीन साल में सिर्फ ऊबड़ खाबड़ गिट्टी बिछी, क्षेत्र की जनता परेशान

10,155 किलोमीटर की अवधि समाप्त होने तक नही बनी सड़क, ग्रामीणों में रोष

जगह-जगह गिट्टी का लगा ढेर, इस पर दुपहिया तो दूर पैदल चलना हुआ मुश्किल

अखंड भारत संदेश

जर्जर सड़क का दृश्य

"इस सड़क की मुझे जानकारी नही थी अभी मालुम हुआ है तीन वर्ष हो गए क्यो नही बनाई गई है ग्रामीण परेशान हैं मैं सरकार से लेकर सम्बंधित विभाग को पत्राचार करते हुए ध्यान आकृष्ट करवाऊँगा ताकि जल्द से जल्द सड़क बन सके ताकि क्षेत्रीय समस्या का निदान हो सके।"

-डॉ वाचस्पति बारा विधायक

"क्षेत्र की जनता इस सड़क न बनने से काफी परेशान हैं, तीन वर्ष हो गए गिट्टी का जगह जगह बिखरी पड़ी है,आवाजाही में ग्रामीण चुटहिल हो रहे है सड़क को जल्द से जल्द बनवाई जाय।"

-राकेश चन्द्र गर्ग
प्रधान प्रतिनिधि, नीवी।

"तीन साल हो गए सड़क पर गिट्टी बिखरी पड़ी है आवाजाही में काफी दिक्कत उठानी पड़ती है,सरकार से आग्रह है सड़क जल्द बनवाए।"

-नीरज केसरवानी
सेहुड़ा, ग्रामीण

बारा। बारा क्षेत्र की एक ऐसी प्रधानमंत्री सड़क है पूरी तैयार होने के समय तक तीन साल के अवधि में सिर्फ गिट्टी बिछ पाई है।जो पूरी गिट्टी तीतर बितर होकर राहगीरों की मुसीबत बन गई हैं।आए दिन कही न कही दुपहिया सवार चुटहिल जरूर होते है।

नीवी से लालापुर प्रधानमंत्री सड़क पैकेज सँख्या व ढ03183 सन 2022 से शुरू होकर मई 20023 जिसकी कुल लागत452,68लाख की लागत से सड़क बनकर तैयार होनी थी।

तीन साल पूरे होने के बाद आजतक सिर्फ बड़ी बड़ी गिट्टी बिछी है, काम बन्द हो रखा है, इस कार्य को कराने का टेंडर मेसर्स सी एल गुप्ता एंड संस को मिला था, मिलते ही काम 10 दिन जोरों पर चला ऐसे लगा जैसे अवधि के अंदर तैयार हो जाएगी, लेकिन क्षेत्र के नीवी, भोड़ी, शुन्दरपुर, मदनपुर बघला, लौद कलाँ, बेनौरी, दुबहा, दर्जनों गांव का दुर्भाग्य रहा तीन साल पूरे हो गए आज तक सड़क नही बन सकी। सुबह से साम तक स्कूली बच्चों से लेकर बारा पावर प्रोजेक्ट में नौकरी करने वालो के लिए मुसीबत बनी हुई है,क्षेत्र की जनता में काफी रोष ब्याप्त है। वही सरकार से मांग किया है की इस सड़क को अविलंब बनाया जाय जिससे समस्या का निदान हो सके।

अवर अभियंता का कहना है पुनः से टेंडर होगा ए ठेकेदार नही बनवा सकेगा, जल्द कागजी कार्यवाई पूरी करके सड़क बनवाई जाएगी।

मां केवल परिवार की धुरी नहीं बल्कि समाज की दिशा तय करने वाली है शक्ति : पूजा पाल

मातृ दिवस के अवसर पर मेजा के जेवनिया मां की ममता समाज का बल विषय पर आयोजित हुई विचार गोष्ठी कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि विधायक पूजा पाल

मेजा। तहसील क्षेत्र के जेवनियाँ शम्भूकापुरा में रविवार को मातृ दिवस के अवसर पर मां की ममता समाज का बल विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व शिवसेना प्रदेश सचिव रूचि अभिषेक तिवारी ने किया, कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पूजा पाल उपस्थित रहीं। गोष्ठी में मुख्य अतिथि पूजा पाल ने कहा कि मां समाज की प्रथम शिक्षक होती है। उसकी ममता और त्याग ही परिवार और समाज को स्थायित्व प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि मां की ममता ही बच्चे के संस्कारों की नींव है। हमें मातृशक्ति के योगदान को समझना और सम्मान देना चाहिए। इस मौके पर रुचि तिवारी ने मुख्य अतिथि विधायक पूजा पाल सहित गांव की शिक्षित, समाजसेवी और घरेलू महिलाओं को प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने तालियों की गूंज के साथ मातृशक्ति को नमन किया। रुचि अभिषेक तिवारी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मां को देवतुल्य माना गया है। मां केवल परिवार की धुरी नहीं, बल्कि समाज की दिशा तय करने वाली शक्ति है। इस अवसर पर शिवलली, बबीता सिंह, चंपा देवी, प्रमिला देवी, सीमा ,राधा शिक्षक नेता मनीष तिवारी, बसंत जी शुक्ला, विकाश आर विक्की, राजू पांडे, बबलू पाल, दीपक गौड़, विनय तिवारी गोष्ठी में ग्राम प्रधान, स्थानीय बुद्धिजीवी, समाजसेवी व बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं मौजूद रहीं। अंत में सभी ने मां के चरणों में पुष्प अर्पित कर मातृशक्ति को प्रणाम किया। कार्यक्रम का संचालन दिनकर मिश्र पूर्व प्रधान कुंवरपटी ने किया।

पांच लाख दहेज न देने पर विवाहिता को मारपीट कर घर से बाहर निकाला

मांडा। इलाकाई थाना क्षेत्र के मांडा खास की विवाहिता ने ससुरालजनों के विरुद्ध तहरीर देकर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया है। गौरतलब हो कि मांडा खास की विवाहिता दिलनशी पत्नी कुतुंब्बुद्दीन अंसारी ने मांडा थाने में तहरीर देकर ससुरालजनों पर पांच लाख रुपए दहेज न देने से आए दिन प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए पति कुतुबबुद्दीन अंसारी, ससुर ओजहुल अंसारी, सास बड़की, जेठानी शबनम, बिन्नी, मीनू व जेठ एनेउद्दीन, रियाजुद्दीन निवासीगण महेवा कला के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच शुरू कर दिया है।

जिले के साथ नगर की भी कमान निर्विरोध अनुरागिनी सिंह को साथ ही कल्पना, सरिता, अलका, रिशी पुनः पद पर चयनित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ नगर कार्यकारिणी का निर्वाचन संपन्न आज दिनांक 11 मई, 2025 को एक सभागार में नगर की महिला शिक्षिकाओं का नगर के सदस्यों के बीच चुनाव संपन्न हुआ जिसमें निर्विरोध अनुरागिनी सिंह नगर अध्यक्ष, सरिता सिन्हा नगर महामंत्री, नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष कल्पना शुक्ला, अल्का जायसवाल नगर कोषाध्यक्ष, रिशी तिवारी नगर मीडिया प्रभारी चुने गये ।नगर में हो रहे संगठन चुनाव की खंड शिक्षा अधिकारी को सूचना दी गई । यह निर्वाचन प्रदेश की मीडिया प्रभारी डॉ॰ मिनी ओहरी जी के दिशा निर्देश पर नगर से नामित संयोजिका श्रीमती मधुलिका यादव एवं शोभी वर्मा और जिला संयोजक श्रीमती रितू सिंह जी द्वारा यह चुनाव सम्पन्न कराया गया। जिले के अन्य पदाधिकारियों के समक्ष यह पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया गया । नगर की सभी शिक्षिकाओं ने सर्वसम्मति से निर्विरोध रूप से नगर की टीम का चुनाव किया ,और बड़े ही हर्षोल्लास के वातावरण में विजय उद्घोष किया। नगर की लगभग सभी शिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं इसी अवसर पर अन्य पदों पर भी समस्त शिक्षिकाओं के समक्ष निर्विरोध रूप से पदाधिकारी चुने गए। नगर के अन्य पदाधिकारियों साथ पद की गरिमा ,शुचिता, कर्तव्य निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करने की शपथ ली गई। नगर अध्यक्ष चुने जाने पर अनुरागिनी सिंह द्वारा सभी शिक्षिका बहनों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया और पूरे ही लगन मेहनत के साथ शिक्षिकाओं की समस्याओं का निराकरण करने का अपनी तरफ से विश्वास दिलाया। नगर अध्यक्ष के साथ जिलाध्यक्ष होने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि अब यह दोहरी जिम्मेदारी है जिसे वह बखूबी सभी के सहयोग से निभाने का प्रयास करेंगी जिसमें हर कदम पर सभी का साथ सभी शिक्षकों का विश्वास उन्हें प्राप्त हो यह अपेक्षा भी रखेंगे । इस अवसर पर नव निर्वाचित वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती कल्पना शुक्ला जी द्वारा संगठन में हो रहे कार्यों की विस्तृत चर्चा की उन्होंने कहा कि संगठन में उनका पूर्ण विश्वास है, जब भी जरूरत होगी वह कार्य के लिये हमेशा तत्पर रहेंगी सजग रहेंगे। दूरभाष के माध्यम से प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सुलोचना मौर्य द्वारा बधाई दी गई, सभी उपस्थित शिक्षिकाओं को द्वारा नवनिर्वाचित टीम को माला पहनाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। संयोजकों द्वारा इस अवसर पर सभी को प्राधिकार पत्र वितरित किए गए। धन्यवाद ज्ञापन नवनिर्वाचित महामंत्री श्रीमती सरिता सिन्हा जी द्वारा किया गया। सरिता सिन्हा जी ने लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम पहले भी ईमानदारी के साथ कार्य करते रहे हैं अब जिम्मेदारियों के भाव में और भी सजगता से कार्य करेंगे। संगठन को मजबूती दिलाएंगे, साथ ही महिला शिक्षिकाओं को दिन पर दिन कार्य स्थल में समस्याएं आ रही हैं। उसका भी निदान करने का पूर्ण प्रयास संगठन द्वारा किया जाएगा। नगर कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष दीप्ति श्रीवास्तव, गार्गी अग्रवाल, संध्या वर्मा, मनीषा त्रिपाठी, पूनम भास्कर, संयुक्त मंत्री डॉ स्मिता श्रीवास्तव, संगठन मंत्री डॉ रूबी ओझा, ज्योति कैथवास, वंदना सिंह माधुरी साहू, सीमा श्रीवास्तव, कल्याणी कुशवाहा, प्रचार मंत्री पूनम सिंह जी को कार्यकारिणी में सर्व सम्मति से स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण अन्य ब्लॉक से भी पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी ने नगर टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

साथियों के साथ गंगा नहाने गया छात्र डूबा

चार घंटे बाद नाविकों को मिला छात्र का शव

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। साथियों के साथ गंगा नहाने गया कक्षा नौ का छात्र गहरे पानी में जाने से बह गया। करीब चार घंटे बाद उसका शव बरामद हुआ। छात्र के मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

कुण्डा क्षेत्र के उसरे बसहीपुर गांव निवासी रामू पटेल के दो बेटे है। उसका बड़ा बेटा साहिल (15) कक्षा नौ का छात्र था। शनिवार को वह अपने गांव के साथियों सागर पटेल (12) पुत्र बब्बू, प्रियांशु पटेल (15) पुत्र राजेश पटेल, करन पटेल (12) पुत्र रामसिंह के साथ हथिगवां थानाक्षेत्र के शाहपुर गांव स्थित बाबा हौदेश्वर घाट गया था। गंगा नहाते समय साहिल तैरते हुए गहरे पानी में चला गया, जबकि उसके बाकी साथी बाहर निकल आये। जब साहिल नहीं दिखा तो साथियों ने शोर मचाया और परिजनों को खबर दी। सागर का कहना है कि उसने उसे गहरे पानी में जाते देखा और मना भी किया लेकिन उसे नहीं पता कि वह बह रहा था। गंगा घाट पर मौजूद लोगों ने डायल 112 पर सूचना पुलिस को दी। जल पुलिस ने गोताखोर व नाविकों को छात्र को खोजने में लगाया। करीब चार घंटे मशक्कत के बाद घाट से कुछ दूर पर साहिल का शव मिला। इस बीच प्रधान अशरफ अली के साथ ही साहिल की मां नीलम देवी समेत दर्जनों ग्रामीण गंगा घाट पर पहुंच गये थे। छात्र का शव देख परिजनों में कोहराम मच गया। दरोगा श्याम बिहारी सिंह ने बताया कि गंगा में डूबे छात्र का शव बरामद हो गया है। पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

मजदूर की मौत पर आरोपी के खिलाफ हत्या का केस

प्रतापगढ़। सांगीपुर पुलिस ने करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत को लेकर आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। सांगीपुर थाना के ककरहिया सुजाखर निवासिनी धर्मपाल की पत्नी शोभा वर्मा ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि बीती शुक्रवार को उसके पति धर्मपाल को गोवर्धनपुर निवासी राजेश मिश्र उर्फ गुड्डू अपने घर ले गया था। वह करंट की चपेट में आने से धर्मपाल की मौत हो गयी। तहरीर में आरोप है कि राजेश उर्फ गुड्डू मिश्र ने उसके पति को करंट लगाकर मार डाला। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी राजेश के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। सांगीपुर एसओ मनीष त्रिपाठी का कहना है कि पीड़िता की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है । जांच कर कार्यवाही की जायेगी।

मुख्यमंत्री अभ्युदय निःशुल्क कोचिंग केन्द्र के लिए 20 तक करें आवेदन

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने बताया है कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत जनपद में संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय निःशुल्क कोचिंग केन्द्र (मुनीश्वरदत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय तथा जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय पूर्ववर्ती नाम-राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय नरायनपुर) में नवीन सत्र 2025-26 हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, यूपीपीसीएस, एनडीए/ सीडीएस, नीट/ जेईई, एसएससी एवं अन्य परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों की ऑफलाइन एवं आनलाइन निःशुल्क कक्षाओं के संचालन हेतु वातार्कार/ विषय विशेषज्ञ व्याख्याताओं की आवश्यकता है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में 20 मई 2025 की सायं 5 बजे तक जमा कर सकते है। उन्होने बताया है कि ख्याति प्राप्त कोचिंग में 03 वर्ष शिक्षण कार्य करने वाले अभ्यर्थियों को वरीयता दी जायेगी (संस्था द्वारा प्रदान की गयी 03 माह की वेतन स्लिप, वेतन प्रमाण पत्र संलग्न करें)। वातार्कार विषय विशेषज्ञों/ व्याख्याताओं को प्रति व्याख्यान दर रुपए 2 हजार कार्मिक विभाग के शासनादेश के अनुरूप तथा समय-समय पर शासनादेशों में निर्धारित प्राविधानों के अन्तर्गत मानदेयों का भुगतान किया जायेगा। व्याख्यान की अवधि 90 मिनट होगी। एक अतिथि प्रवक्ता को प्रतिमाह अधिकतम 30 व्याख्यान अनुमन्य होगें। सेवानिवृत्त अतिथि वातार्कार/ विषय विशेषज्ञ व्याख्याता भी पंजीकरण हेतु अर्ह होगें। शैक्षणिक अभिलेखों की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न करें। साक्षात्कार की तिथि, समय व स्थान आपको ई-मेल/ व्हाट्सअप के माध्यम से सूचित किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क सूत्र डा0 पीयूष पाण्डेय (कोर्स-को-आर्डिनेटर मु0अ0यो) के मोबाइल नम्बर 9807524558 व जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।

न्यूज झरोखा

पुलिस ने पैदल गश्त कर चलाया चेकिंग अभियान

प्रतापगढ़। दिलीपपुर थानाक्षेत्र के संवेदनशील स्थानों व मिश्रित आबादी वाले क्षेत्र में पुलिस ने पैदल गश्त किया। पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार के निर्देशन में एएसपी पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह ने थाना प्रभारी दिलीपपुर के साथ कानून व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर पैदल गश्त किया। इस दौरान अवांछनीय तत्वों पर नजर रखते हुए संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की गई। इसके साथ ही अतिक्रमण को भी हटवाया गया।

मामूली विवाद में मां-बेटे को पीटा

पट्टी। इलाके के रमईपुर निवासी सदीना पत्नी इरफान ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपित किया है कि उसका बेटा मवेशी चराने गया था। गांव के ही कुछ लोगों से विवाद हो गया। आरोपियों ने उसके बेटे की पिटाई की जब वह बीच बचाव के लिए गई तो उसे भी मारा पीटा गया।महिला ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र लगाने की शिकायत

बेलखरनाथ धाम। आंगनवाड़ी में नौकरी पाने के लिए एक महिला ने फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र लगाकर नौकरी हासिल कर ली। इसकी शिकायत जिलाधिकारी से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। कंधई थाना क्षेत्र के भिवनी गांव निवासिनी सोनी सिंह ने डीएम, सीएमओ सहित उच्च अधिकारियों को दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है किउनके गांव की एक महिला दिव्यांग फर्जी सर्टिफिकेट बनवाकर आंगनवाड़ी में अपना चयन कर लिया है।सोनी सिंह की शिकायत पर सीएमओ ने जिला महिला चिकित्सालय को दिव्यांग सर्टिफिकेट जांच करने का आदेश दिया है।

दुर्घटना में लेखपाल की मौत को लेकर आरोपी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस

लालगंज। कोतवाली पुलिस ने अज्ञात वाहन की टक्कर से लेखपाल के मृत्यु पर अज्ञात चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है।आसपुर देवसरा कोतवाली के मानापुर निवासी आशुतोष सिंह ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि उसका भाई सचिन सिंह लालगंज तहसील में लेखपाल तैनात था। बीती आठ मई को रात ग्यारह बजे अज्ञात वाहन चालक ने बाइक सवार उसके भाई को जोरदार टक्कर मार दी।दुर्घटना में सचिन की मौत हो गयी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने शनिवार की रात केस दर्ज किया है।

चोरी की घटना में नगदी व जेवरात उड़ाये, कार्यवाही की गुहार

लालगंज। चोरी की घटना में घर से एक लाख नगदी व बाइक चोरी को लेकर पीड़ित ने सांगीपुर पुलिस को तहरीर दी है। सांगीपुर थाना के रामगंज रामबक्श का पुरवा निवासी राजेश पुत्र सुखलाल ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि बीती आठ मई को रात में बदमाश उसकी बाइक चोरी कर ले गये। बदमाशों ने घर में एक लाख रुपए की नगदी व महिलाओं के सोने चांदी के जेवरात भी उड़ा ले गये। पीड़ित ने घटना को लेकर पुलिस से कार्यवाही की गोहार की है। सांगीपुर एसओ मनीष त्रिपाठी का कहना है कि जांच की जा रही है , सत्यतता के आधार पर कार्यवाही की जायेगी।

पेड़ गिराकर मार्ग बाधित करने का आरोप

पट्टी। कोतवाली के सिसौरा गांव निवासी रामफकीर पुत्र सुक्खू ने तहरीर देकर गांव के ही कुछ लोगों पर रास्ते पर पेड गिराकर आवागमन बाधित करने का आरोप लगाया है। साथ ही जब पेड हटाने की बात की तो उक्त लोग मारपीट पर उतारु हो गए। युवक ने मार्ग को खुलवाए जाने व आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जबकि रमईपुर गांव निवासी सदीना पत्नी इरफान ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपित किया है कि उसका पुत्र मवेशी चराने गया हुआ था। वही गांव के ही कुछ लोगों से विवाद हो गया। हल्ला गुहार पर जब वहां पहुंची और अपने पुत्र का बीच बचाव करने लगी तो आरोप है कि आरोपियों ने उसे भी पीट दिया। महिला ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

मदर्स डे पर किया गया सम्मानित

मदर्स डे पर सम्मानित माताएं

अखंड भारत संदेश

मां इस धरती पर भगवान से बढ़कर है : डॉ. पीयूषकांत शर्मा

प्रतापगढ़। एचडीएफसी लाइफ के तत्वावधान में मदर्स डे का आयोजन बड़ी ही श्रद्धा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन शाखा प्रबंधक अशोक सिंह व संयोजन एरिया बिजनेस मैनेजर लक्ष्मी सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ. पीयूषकांत शर्मा ने कहा की मां इस धरती पर भगवान से बढ़कर है। संतोष भगवन ने कहा मां के बराबर संतान की चिंता किसी को भी नहीं हो सकती। इस अवसर पर प्रतिभा भगवन, नीरजा, शशि शर्मा, अंजू तिवारी, रूचि, आकांक्षा बख्शी, रुखसार, समरीन को सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर उत्तम उपाध्याय, श्रीकांत आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

बाइक सवार युवक स्टूडियो संचालक से ड्रोन कैमरा छीनकर फरार

बेलखरनाथ धाम। स्टूडियो संचालक से बाइक सवार चार युवक असलहा सटाकर ड्रोन कैमरा छीनकर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर एक नामजद व तीन अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। कधंई थाना क्षेत्र के रखहा बाजार निवासी दया शंकर सिंह शादी विवाह में फोटो वीडियो का काम करता है।दस अप्रैल को वह पट्टी कोतवाली क्षेत्र के रायपुर गांव में एक शादी समारोह में गए थे।रात डेढ़ बजे घर लौटते समय कधंई थाना क्षेत्र के तरदहा गांव के समीप अपाचे व पल्सर सवार चार युवकों ने स्टूडियो संचालक को असलहा सटाकर ड्रोन कैमरा छीन कर फरार हो गए। रविवार सुबह पीड़ित ने रायपुर के एक युवक को नामजद करते हुए तीन अज्ञात के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। इस संबंध में थानाध्यक्ष कंधई गुलाबचंद सोनकर ने बताया कि तहरीर के आधार पर एक नामजद तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

एसपी के अपराध नियंत्रण को मिली कामयाबी पच्चीस हजार का ईनामियां गया जेल

अखंड भारत संदेश

लालगंज में पुलिस की गिरफ्त में ईनामिया बदमाश

लालगंज। एसपी डॉ0 अनिल कुमार के अपराध नियंत्रण अभियान के तहत लालगंज पुलिस ने पच्चीस हजार रुपए के ईनामी बदमाश को दबोच कर जेल भेज दिया। लालगंज कोतवाल नीरज यादव व उदयपुर एसओ राधेश्याम ईनामी आरोपी की तलाश में रविवार को संयुक्त रूप से गस्त पर निकले थे। लालगंज कोतवाली के राजेन्द्र नगर चैराहे के पास उदयपुर थाना के कुरैशी का पुरवा , राहाटीकर निवासी कल्लन उर्फ साबिर पुत्र तन्ने पुलिस को देखकर बाइक छोड़कर भागने लगा। फोर्स ने उसे दौड़ाकर दबोच लिया। पकड़ें गये आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से एक तमंचा व एक कारतूस बरमाद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया। पुलिस द्वारा दबोचा गया आरोपी पच्चीस हजार का ईनामी थां । उसके खिलाफ उदयपुर थाने में दर्जन भर गम्भीर धाराओं में मुकदमें दर्ज है। आरोपी की पुलिस को तलाश बीती इक्कीस अप्रैल को लालगंज थाने के सराय राजू में पुलिस के ऊपर फायरिंग को लेकर भी जारी थी। पुलिस ने ईनामिया बदमाश को जेल भेज दिया। पुलिस की सफलता पर अपर पुलिस अधीक्षक संजय राय व सीओ रामसूरत सोनकर ने लालगंज कोतवाल नीरज यादव व उदयपुर एसओ राधेश्याम की सराहना की है।

दुकान के सामने खड़ी बाइक में लगी आग

पट्टी। इलाके के रामगंज बाजार में किराना दुकान के सामने खड़ी बाइक में अचानक आग लग गई। आसपास के लोगों ने मिट्टी डालकर आग बुझाया। रामगंज बाजार में राकेश मिश्रा ने किराने की दुकान खोल रखी है। दुकान के सामने शनिवार की रात करीब 8.30 बजे एक बाइक खड़ी थी। वही कोई मजदूर बीड़ी पी रहा था। बीड़ी की चिंगारी से बाइक में आग लग गई। आसपास मौजूद लोग मिट्टी डालकर बाइक की आग बुझा दी। जब तक फायर कर्मी पहुंचते तब तक आसपास के लोग समरसेबल व मोटर चलाकर आग बुझा दी। बगल में खड़ी एक साइकिल जलकर राख हो गई। बाइक का भी ज्यादातर हिस्सा जल गया। आग बुझाने के दौरान राकेश मिश्रा मामूली रूप से झुलस गए। जिन्हें इलाज के लिए ले जाया गया।

युवती का फोटो खींचने पर होटल में हंगामा

शिकायत पर पुलिस आरोपी को लेकर आई कोतवाली, फोटो और वीडियो कराया डिलीट

अखंड भारत संदेश

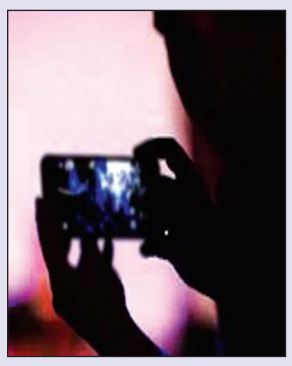

बेलखरनाथ धाम। पट्टी कस्बे के बाईपास स्थित होटल में रुकी दिल्ली की ब्यूटी पार्लर संचालिका का फोटो खींचना युवक को महंगा पड़ गया। मामले में ब्यूटी पार्लर संचालिका द्वारा होटल में हंगामा किए जाने के बाद पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक को कोतवाली ले आई। युवक के मोबाइल में सारे फोटो वीडियो डिलीट करवा दिए।

क्षेत्र के एक शिक्षक का विवाह सैफाबाद निवासी एक युवती से तय हुआ था। युवती परिवार के साथ दिल्ली में रहती थी। आठ मई को दोनों की शादी थी, जबकि 10 मई को रिसेप्शन कार्यक्रम था। दिल्ली में रहने के कारण दुल्हन युवती अपने एक ब्यूटीशियन सहेली को मेकअप करने के लिए लेकर आई थी। ब्यूटीशियन युवती को दुल्हन का मेकअप करने के बाद रिसेप्शन में शामिल होने के लिए रोक लिया गया। 10 मई को रिसेप्शन में शामिल होने के बाद ब्यूटीशियन कस्बे बाईपास स्थित एक होटल में रुकी थी। 11 मई रविवार को उसे वापस दिल्ली जाना था। रविवार को सुबह लगभग 10 बजे वह नहाकर निकली तो होटल में मौजूद एक युवक उसकी फोटो खींच लिया। यह देखकर ब्यूटीशियन ने युवक को दौड़ा लिया। युवक भाग कर नीचे रिसेप्शन में पहुंचा। इस दौरान ब्यूटीशियन भी वहां पहुंची और तुरंत फोटो वीडियो डिलीट करने को कहा। युवक ने फोटो वीडियो नहीं बनाने की बात कही तो होटल में हंगामा होने लगा। होटल मैनेजर ने पुलिस को फोन करके बुला लिया। पुलिस मौके पर पहुंची युवक को कोतवाली उठा लाई। ब्यूटीशियन महिला को वापस दिल्ली जाना था। इसलिए वह बगैर तहरीर दिए ट्रेन से वापस दिल्ली चली गई। कोतवाल आदित्य कुमार सिंह का कहना है कि मामले में होटल मैनेजर की शिकायत पर पुलिस मौके पर गई थी। युवक को पड़कर कोतवाली लाया गया। उसके मोबाइल कैमरे में मौजूद सारे वीडियो फोटो डिलीट करवा दिए गए। युवती बगैर किसी शिकायत के वापस दिल्ली चली गई। युवक से पूछताछ की जा रही है।

तीन आरोपियों के खिलाफ मारपीट व तोड़फोड़ तथा धमकी का मुकदमा

लालगंज। जमीनी विवाद को लेकर आरोपियों द्वारा पीड़ित के साथ गाली गलौज व मारपीट तथा तोड़फोड़ व धमकी को लेकर लालगंज पुलिस ने शनिवार की रात केस दर्ज किया है। कोतवाली के कम्भीट निवासी जहीर के पुत्र आमिर ने दी गयी तहरीर में कहा है कि बीती दस मई को जमीनी विवाद को लेकर गांव के रफीजुल, अंसार अली, अब्दुल कादिर ने दरवाजे पर आकर गाली गलौज शुरू कर दी । मना करने पर आरोपियों पर पीड़ित पर लाठी डंडे व कुदार लेकर हमला कर दिया। बीच-बचाव पीड़ित घर के अंदर घुसा तो वहां भी आरोपियों ने मारपीट करते हुए घरेलू सामान तोड़कर नष्ट कर दिया। शोर मचाने पर आरोपी जांन लेवा धमकी देते चले गये।

श्रीकृष्ण जन्म की कथा सुनकर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बारछा गांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन पंडित वेंकट देशिकाचारी महाराज ने भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण जन्म की कथा मार्मिक रूप से सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। मुख्य यजमान सुशीला देवी एवं दिग्विजय पांडे मौजूद रहे.

कथा व्यास ने बताया कि भगवान विष्णु का सातवां अवतार माने जाने वाले प्रभु श्रीराम ने हमेशा ही अधर्म पर धर्म की विजय हेतु अवतार धारण किया है। उन्होंने बताया कि महाराजा दशरथ ने पुत्र प्राप्ति के लिए यज्ञ किया। महाराज दशरथ ने श्याम कर्ण घोड़े को चतुरांगिनी सेना के साथ छुड़वाने का आदेश दिया। उन्होंने समस्त मनस्वी, तपस्वी, विद्वान, ऋषि-मुनियों और वेदविज्ञ प्रकांड पंडितों को बुलावा भेजा। यज्ञ के प्रसाद में बनी खीर को राजा दशरथ ने अपनी तीनों रानियों को दी। प्रसाद ग्रहण करने के परिणामस्वरूप तीनों रानियां गर्भवती हो गईं। सबसे पहले महाराज दशरथ की बड़ी रानी कौशल्या ने एक शिशु को जन्म दिया। फिर शुभ नक्षत्रों में कैकेयी और सुमित्रा ने भी अपने पुत्रों को जन्म दिया। कैकेयी का एक और सुमित्रा के दोनों पुत्र बेहद तेजस्वी थे। महर्षि वशिष्ठ ने महाराज के पुत्रों का नाम रामचन्द्र, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न रखा। पंडित ने बताया कि धरती पर पापियों के संहार के लिए भगवान श्री कृष्ण का जन्म कंस के कारागार में हुआ। रोहिणी नक्षत्र में मथुरा के कारागार में वासुदेव की पत्नी देवकी के गर्भ से भगवान श्री कृष्ण ने जन्म लिया। इससे पूर्व वासुदेव देवकी के एक-एक करके सात बच्चे हुए और सातों को जन्म लेते ही कंस ने मार डाला। अब आठवां बच्चा होने वाला था। कारागार में उन पर कड़े पहरे बैठा दिए गए। जिस समय वासुदेव देवकी को पुत्र पैदा हुआ, उसी समय संयोग से यशोदा के गर्भ से एक कन्या का जन्म हुआ जो और कुछ नहीं सिर्फ माया थी। वासुदेव नवजात शिशु के रूप श्री कृष्ण को सूप में रखकर कारागृह से निकल पड़े और अथाह यमुना को पार कर नंदजी के घर पहुंचे। कथा समापन पर लोगों को प्रसाद वितरण भी किया गया।इस मौके पर दिनेश पाण्डेय, सुरेश पाण्डेय, वंशी काका, राजेश विनोद, देवी प्रसाद, राम प्रकाश सूर्य प्रकाश, दीपक, चन्द्र प्रकाश, वेद प्रकाश, अरूण, अमित, अजीत, विपिन, सनि, शिवेन्द्र, शक्ति, अनिल, सुमित, सचिन, देवेन्द्र, राज, अंश, आदि भक्तिगण मौजूद रहे। कार्यक्रम की समस्त देखभाल आशीष पांडे द्वारा की जा रहीं है। कथा समापन पर सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

जियालाल अध्यक्ष व पारसनाथ बने मंत्री

नवनिर्वाचित पदाधिकारीगण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मानधाता ब्लाक के खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सभागार में रविवार को उत्तर प्रदेश जूनियर हाईस्कूल माध्यमिक शिक्षक संघ की इकाई का गठन किया गया। संगठन के पर्यवेक्षक राकेश मिश्र, राजमणि यादव, संगठन के जिलाध्यक्ष शाह आलम की देखरेख सहमति के बाद नए पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सभी को शपथ दिलाई गई। ब्लाक क्षेत्र में कामकाज के लिए अध्यक्ष पद पर जियालाल, मंत्री पारसनाथ, उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद पटेल, रिजवान खान, उपाध्यक्ष केशव प्रसाद, संयुक्त मंत्री भारत लाल, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा सहित विभिन्न पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई।

किस्त मांगने गए फाइनेंस कर्मी को पीटा, मुकदमा दर्ज

बेलखरनाथ धाम। बकाया किस्त मांगने गए फाइनेंस कर्मी को जमकर मारा पीटा।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। कुंडा कोतवाली क्षेत्र के फूल ताली निवासी मंजीत कुमार यादव एक फाइनेंस कंपनी में नौकरी करता है। शुक्रवार को वह दिलीपपुर थाना क्षेत्र के सरखेलपुर निवासी सुरेश सरोज से पैसा लेने गया था।आरोप है कि सुरेश सरोज ने उसे गालियां देते हुए जमकर मारा पीटा तथा जान से मारने की धमकी दी। लोगों के पहुंचने पर किसी तरह मामला शांत हुआ। पीड़ित की तहरीर पर दिलीपपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

शिक्षक विधायक ने अधिवक्ताओं के मान-सम्मान की मजबूती का दिलाया भरोसा

अखंड भारत संदेश

लालगंज में संयुक्त अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सम्मानित करते शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी

लालगंज। शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने रविवार को संयुक्त अधिवक्ता संघ के हालिया चुनाव में विजयी हुये पदाधिकारियों को समारोह पूर्वक सम्मानित किया। एमएलसी उमेश ने संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, उपाध्यक्ष आशीष तिवारी व महामंत्री हरिश्चन्द्र पाण्डेय एवं सदस्य कार्यकरिणी सुमित वत्सल को माल्यार्पण एवं मुंह मीठा कराकर शुभकामनायें दी। उन्होने अधिवक्ताओं को भरोसा दिलाया कि वादकारी हित के साथ अधिवक्ताओं के मान-सम्मान को बनाये रखने के लिए वह अपना सहयोग मजबूती से प्रदान करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वित्तविहीन शिक्षक महासभा के जिलाध्यक्ष अभिमन्यु सिंह व संचालन पूर्व अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने किया। इस मौके पर शिक्षक नेता बृजेश द्विवेदी, अधिवक्ता विपिन शुक्ल, मनीष मिश्रा, शास्त्री सौरभ, विनय जायसवाल आदि रहे।

14 मई को करेंगी महिला जनसुनवाई

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा द्वारा 14 मई को पूर्वान्ह 11 बजे से लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण गृह (गेस्ट हाउस) प्रतापगढ़ में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने हेतु उनकी समस्याओं को सुना जाएगा। जनसुनवाई कार्यक्रम पूर्वान्ह 11 बजे से शुरू होगा और इसमें महिलाओं को उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। उसके उपरांत सामुदायिकध्प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा बालिकाध्महिला गृह व आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है।

आतंकः जमीन पर जबरिया बलपूर्वक कब्जे का प्रयास

अखंड भारत संदेश

मामले में कुछ लोगों द्वारा जाति धर्म का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है

कोखराज। कौशाम्बी दो पक्षों की विवादित जमीन का अदालत में कई वर्ष से मुकदमा लंबित होने के बाद रविवार को तीसरा पक्ष जमीन पर कब्जा करने फौज लेकर पहुंच गया है जिससे मौके पर अशांति व्यवस्था बन गई मामले की सूचना थाना और पुलिस चौकी को दी गई काफी देर बाद पुलिस फोर्स पहुंची लेकिन जमीन कब्जा करने वाले गुंडो ने पुलिस फोर्स की मौजूदगी में एक दलित महिला को दौड़ा दौड़ा कर जमकर पीटा है जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है मामला संदीपन घाट थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी मूरतगंज अंतर्गत जिल्ला पर का है। जानकारी के मुताबिक जिल्ला पर निवासी वहाब के बेटे इलियास इकरार आदि का गांव की दलित महिला शीला देवी सुभाष अर्जुन शिव सागर आदि से जमीन का विवाद कई वर्ष से चल रहा है जमीन में कई बार कब्जे का प्रयास हुआ कई बार मामला थाना पुलिस चौकी पहुंचा ग्रामीणों का कहना है कि यह जमीन वहाब की पैतृक संपत्ति है और कई वर्ष पूर्व पुराने घर को वहाब के बेटों ने ध्वस्त करके नया निर्माण करने की कोशिश की थी लेकिन अपने घर को गिराने के बाद वह नया निर्माण नहीं कर सके और दलित महिला शीला देवी के परिवार के लोग जमीन पर अपना कब्जा का दावा कर विवाद करने लगे जिस पर अदालत में मामला पहुंचा दोनों पक्षों ने अदालत में अपने-अपने पक्ष की बात रखी अदालत में मुकदमा अभी भी विचाराधीन है लेकिन इसी बीच मंझनपुर कोतवाली के सोनारन का पुरवा समदा के रहने वाले राममिलन पटेल पुत्र गज्जू पटेल और उनके साथी मनोज पटेल पुत्र राममिलन पटेल निवासी मुजाहिद पुर थाना संदीपन घाट ने इस जमीन पर जबरिया कब्जे का दावा ठोक कर रविवार को 50 लोगों की भीड़ के साथ निर्माण सामग्री लेकर के मौके पर पहुँच कर जमीन में बलपूर्वक निर्माण शुरू कर दिया तीसरे पक्ष द्वारा अचानक जमीन पर निर्माण शुरू होने से मौके पर अफरा तफरी का माहौल बन गया और मौके पर तनाव की स्थिति बन गई काफी देर तक थाना और पुलिस चौकी को लोगों ने मामले के जानकारी देने के लिए फोन करने की कोशिश की लेकिन थाना और पुलिस चौकी ने घण्टो फोन नहीं उठाया है जिससे लोगो की थाना चौकी पुलिस से बात नहीं हो सकी जब थाना पुलिस चौकी का रवैया ठीक नहीं दिखाई पड़ा तो लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस अधिकारियों को दिया पुलिस अधिकारियों के निर्देश के बाद मौके पर पुलिस फोर्स पहुंची और जबरिया निर्माण कर रहे दर्जनो लोगों को रोक दिया है लेकिन इतने पर भी दबंग का हौसला नहीं टूटा और दो दर्जन से अधिक दबंगो ने दलित महिला शीला देवी को गाली गलौज करते हुए दौड़ा दौड़ा कर उस पर हमला किया सवाल उठता है कि जिस जमीन का मुकदमा अदालत में विचाराधीन है और तीसरा पक्ष उसमें पार्टी नहीं है तो तीसरे पक्ष ने जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कैसे किया यह बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है जमीन कब्जा करने वाले लोगों ने पुलिस से भी अभद्रता की है लेखपाल भी मौके में पहुंचा और उसने जमीन निर्माण करने से रोकने की सिफारिश की है मामले में कुछ लोगों द्वारा जाति धर्म का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है हालांकि जमीन के विवाद को लेकर मौके पर तनाव की स्थिति अभी भी बनी हुई है।

न्यूज झरोखा

ड्यूटी के दौरान सावधानी पूर्वक चलाए एम्बुलेंस : रामस्वरूप

एम्बुलेंस चालक की ट्रेनिंग में उपस्थित रहें प्रभारी निरीक्षक

कौशाम्बी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 108 और 102 एंबुलेंस चालकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला प्रोग्राम मैनेजर ओम प्रकाश मिश्र ने प्रभारी निरीक्षक को बुके भेंट करके स्वागत किया, प्रभारी निरीक्षक रामस्वरूप ने एंबुलेंस चालकों को महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्थिति (इमरजेंसी) में संयम बनाए रखें। बताया कि आपातकाल में पुलिस सहायता के लिए सीयूजी नंबर पर तुरंत संपर्क करें। चालकों को ड्यूटी के दौरान एम्बुलेंस को सावधानी पूर्वक चलाने की हिदायत दी, लखनऊ से आए ट्रेनर रोहित चन्द्र और रोहित पाण्डेय ने पायलट प्रशिक्षण के दौरान पायलट को गोल्डन हावर, गुड सेमेरिटन, रेस्पॉन्स टाइम, साइकिल टाइम, आरटीएनएम और बीएस शिक्स वाहन के क्लस्टर मीटर में आने वाली चेतावनी लाइट, ट्रैफिक नियमों के बारे में बताया। ट्रेनिंग में चित्रकूट के पीएम सोनेंद्र शुक्ला व ईएमई रणधीर सिंह, प्रदीप, पुष्कर, मनोहर आदि उपस्थित रहें

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की दर्दनाक मौत, साथी जख्मी

अझुवा कौशांबी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा भौंतर मोड के पास बीती रात अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार युवकों को रौंद दिया जिससे एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई,साथ रहा युवक जख्मी हो गया। जानकारी के अनुसार आयुष कुमार जायसवाल उम्र करीब 21 वर्ष पुत्र राकेश जायसवाल निवासी कल्याणपुर कानपुर अपने कस्बे के मित्र शैलेन्द्र 22 वर्ष पुत्र मैकूलाल के साथ स्कूटी से बनारस जा रहा था अ झु वा हाईवे पर रमादेवी शिवमंगल प्रसाद महाविद्यालय से पहले कानपुर प्रयागराज लेन पर अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार युवकों को कुचल दिया जिससे आयुष कुमार गंभीर घायल हो गया शैलेन्द्र भी जख्मी हो गया रात करीब 2 बजे का मामला था किसी राहगीर की सूचना पर घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से इस्माइल पुर सीएचसी भेजा गया जहां आयुष को देखते ही डॉक्टर ने मौत की पुष्टि की है सूचना पर आयुष और शैलेन्द्र के परिजन भी मौके पर पहुंचे हैं मृतक आयुष अपने घर का इकलौता था पिता राकेश और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है, अझुवा चौकी पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।वहीं नगर क्षेत्र के लोगों के अनुसार कानपुर के चकेरी से प्रयागराज तक राष्ट्रीय राजमार्ग में जगह जगह पुल, फ्लाई ओवर बायपास बना है सड़क चौड़ी है लेकिन अ झु वा हाईवे पर पुल फ्लाईओवर या बायपास नहीं बना है जिससे अनगिनत हादसे ,मौतें हुई है लेकिन सरकार आंख बंद कर बैठी है ।बीच बीच में एनएचआई ,कौशांबी जिले के जिम्मेदारों के साथ सड़क चौड़ीकरण ,पुल फ्लाईओवर संबंधित बैठक होती है लेकिन हल निल बटा सन्नाटा ही रहता है आखिर इन असामयिक मौतों का जिम्मेदार कौन है।

चिरकुट बनाए जाते हैं गुंडे और गुंडो पर नहीं होती है कार्यवाही

कौशांबी आम जनता का शोषण करना संगठित अपराध को संचालित कर के अकूत संपत्ति अर्जित करना गैंग बनाकर चलना आम जनता से लेकर सरकारी जमीन कब्जा करने सहित जरायम की दुनिया में बेताज बादशाह के नाम से पहचाने जाने वाले एक दर्जन गुंडों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई नहीं हो सकी है जबकि इन गुंडो के पीछे पूरे दिन असलहों की फौज लगी रहती है राजा महाराजा और नेता मंत्री की तरह इन गुंडों का काफिला निकलता है इनके आतंक से आम जनता भय खाती है संगठित अपराध से अकूत संपत्ति अर्जित किए जाने के बाद भी इन गुंडो के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट 14 ए की कार्यवाही भी कभी थाना पुलिस ने करने के बाद जिला अधिकारी की रिपोर्ट नहीं भेजी है गैंगस्टर एक्ट 14 ए और गुंडा एक्ट के कार्यवाही चिरकुटों पर करके थाना पुलिस लक्ष्य की पूर्ति करती है जबकि बड़े गुंडों पर ना तो गैंगस्टर एक्ट 14 ए की कार्यवाही करके उनकी संपत्तियां जप्त की जा रही है और ना ही उन पर गुंडा एक्ट की कार्यवाही कर उन्हें जिला बदर किया जा रहा है जिससे गुंडा एक्ट की पूरी कार्रवाई सवालों के घेरे में खड़ी है बालू के अवैध कारोबार से कई गुंडो ने सैकड़ो करोड़ की संपत्ति अर्जित किया लेकिन इन पर गुंडा एक्ट और गैंगस्टर की कार्रवाई अभी तक नहीं हुई है गांजे के अवैध धंधे से कई माफिया ने अकूत संपत्ति अर्जित किया लेकिन गाँजा माफियाओं पर भी गुंडा एक्ट और गैंगस्टर के कार्रवाई नहीं हुई है।

अपराधियों को संरक्षण देने वाला पुलिस का मीडिया सेल पत्रकारों पर बनाता है दबाव

कौशांबी। महिलाओं के साथ होने वाले आपराधिक घटनाओं के मामले में महिलाओं को जब थाना पुलिस से न्याय नहीं मिलता तो महिलाओं के शिकायती पत्रों को ट्विटर के माध्यम से पुलिस महानिदेशक सहित आला अधिकारियों को भेज कर महिलाओं को न्याय दिलाने की फरियाद पुलिस अधिकारियों से की जाती है महिलाओं के साथ होने वाले आपराधिक घटनाओं में न्याय की मांग करने के मामले को लेकर अधिकारियों को भेजे गए ट्विटर के बाद मामले में अपराधियों पर कार्यवाही करने के बजाय मीडिया सेल से जुड़े पुलिसकर्मी पत्रकारों को ही अपराधी बनाने लगते हैं और ट्विटर पर जवाब देने लगते हैं कि तुमने महिला की पहचान उजागर किया है इसलिए पत्रकार के खिलाफ कार्यवाही कर दी जाएगी अब सवाल उठता है कि महिला की शिकायती प्रार्थना पत्र डीजीपी कार्यालय को देना कौन सा गुनाह हो गया है महिला की शिकायती पत्र देने के बाद महिला की पहचान उजागर करने की बात कहां से आ गई है जो शिकायती पत्र में महिला ने नाम पता लिखा है तो यदि महिला की पहचान छुपाने के लिए उसका नाम पता फाड़ दिया जाएगा तो शिकायती प्राप्त पत्र अधूरा होगा और फिर पुलिस के मीडिया सेल द्वारा पत्रकारों से यह कहा जाएगा की शिकायत प्रार्थना पत्र में हेरा फेरी की है तो अब सवाल उठता है कि थाने में अपराधियों को बचाव करने वाले पुलिस कर्मियों की पुलिस आला अधिकारियों से शिकायत करना क्या वर्तमान में गुनाह हो गया है आखिर अपराधियों पर कैसे अंकुश लगेगा और पीड़ित महिलाओं को कैसे न्याय मिलेगा यह तमाम सवाल व्यवस्था पर खड़े हैं इसी तरह का एक ताजा मामला बुधवार को मीडिया सेल का देखने को मिला है मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के पास की अनुसूचित जाति की एक महिला के साथ 7 मई को रात में खेत की ओर शौच जाते वक्त दूसरे समुदाय के कुछ युवको ने छेड़खानी की रेप का प्रयास किया है चंगुल में फंसी महिला ने हो हल्ला मचाया उसके परिवार के लोग भी आ गए मामले को लेकर विवाद हुआ है दूसरे पक्ष ने मामले को साजिश रचकर के महिला पक्ष के पुरुषों के विरुद्ध लूट की तहरीर थाना पुलिस को दे दी है पुलिस इस लूट की तहरीर के बाद महिला के परिवार के एक युवक को गिरफ्तार कर-के हवालात में डाल दिया है महिला के शिकायती पत्र को थाना पुलिस ने रद्दी में डाल दिया इसी मामले को लेकर डीजीपी सहित पुलिस अधिकारियों को ट्विटर के माध्यम से महिला का शिकायती पत्र भेजा गया था जिस पर पुलिस के मीडिया सेल का ट्विटर पर जवाब आया है कि आप द्वारा पीड़िता का नाम उजागर किया आपके विरुद्ध कार्यवाही की जा सकती है जिसके बाद महिला की पहचान छुपाने के लिए ट्विटर तो डिलीट कर दिया गया है लेकिन अब सवाल उठता है कि अपराधी को संरक्षण देने में क्या मीडिया सेल के पुलिसकर्मी भी शामिल है यह बड़ी जांच का विषय है और जांच कराया गया तो मालूम चलेगा कि थाना पुलिस के साथ-साथ अपराधियों को संरक्षण देने में मीडिया सेल के पुलिसकर्मी भी शामिल दिखाई पड़ रहे हैं।

मनमानी तरीके से पूरी रात मिट्टी की खुदाई करती है जेसीबी मशीन

कौशाम्बी चरवा थाना क्षेत्र के बारियावा गांव में मनमानी तरीके से पूरी रात मिट्टी की खुदाई में जेसीबी मशीन गरजती रहती है एक तरफ जहां मनमानी तरीके से मिट्टी खनन कर खेत और तालाब को गड्ढा बनाया जा रहा है वही जेसीबी मशीन की तेज आवाज से लोगों की नींद गायब हो जाती है बारियावा के तीबारा तालाब और तालाब के बगल में बीते कई दिनों से जेसीबी मशीन से मिट्टी के खुदाई हो रही है लोगों ने मामले की सूचना भी चौकी पुलिस को दिया है लेकिन उसके बाद भी जेसीबी मशीन के द्वारा मनमानी तरीके से मिट्टी की खुदाई को बंद नहीं कराया गया है बताया जाता है कि जेसीबी संचालक उमर यादव मिट्टी खनन में लगा है निजी भूमि के साथ-साथ सरकारी भूमि की भी मिट्टी की खुदाई हो रही है जबकि सरकारी भूमि से मिट्टी की खुदाई पर पूरी तरह से रोक लगाई गई है लेकिन उसके बाद भी सरकारी भूमि से मिट्टी की खुदाई लगातार जारी है शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए क्षेत्र के लोगों ने गलत तरीके से मिट्टी खनन पर रोक लगाए जाने और जेसीबी संचालक पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

आज कौशाम्बी के विभिन्न स्थानों पर नंद गोपाल गुप्ता का लगा कार्यक्रम

कौशाम्बी उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी' दिनांक 12 मई को कौशांबी जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के आवास में पहुंचेंगे जानकारी के मुताबिक कोखराज के पास कामता प्रसाद मनोज कुमार ईट भट्ठा के पास मंत्री का स्वागत किया जाएगा उसके बाद मंझनपुर नगर पालिका के सभासद अंशुल केसरवानी के घर पहुंचेंगे उसके बाद नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अध्यक्ष वीरेंद्र फौजी के आवास जाएंगे उसके बाद करारी कस्बे में सुरेश जयसवाल के घर जाएंगे उसके बाद सराय अकिल में शिव बाबू केसरवानी के घर जाएंगे उसके बाद मनौरी बाजार में प्रशांत केसरवानी वा राजेश केसरवानी के घर जाएंगे और उसके बाद पूरामुफ़्ती में मनोज केसरवानी भट्ठा वाले के आवास जाएंगे

तमंचा के साथ युवक गिरफ्तार

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के बारात शादी समारोह में तमंचा से फायर करने वाले धीरेंद्र कुमार पाल उर्फ नन्हा पाल पुत्र शिवराम पाल निवासी सैयद सरावा थाना चरवा को थाना पुलिस ने एक देसी तमंचा 315 बोर के साथ उसके घर से गिरफ्तार किया है और लिखा पढ़ी करने के बाद अदालत में पेश किया है बारात के दौरान हर्ष फायरिंग कर युवक भौकाल बना रहा था किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया था जिस पर चरवा पुलिस ने कार्यवाही की है।

जिला पूर्ति कार्यालय के ऑपरेटर से कार्ड धारक परेशान

कौशाम्बी जिला पूर्ति कार्यालय के प्राइवेट ऑपरेटर से कार्ड धारक परेशान हो गए हैं पूर्ति कार्यालय की पूरी व्यवस्था प्राइवेट कर्मियों के सहारे छोड़ दी गई है अफसर के पास कार्ड धारकों से मिलने का समय नहीं है जिसका फायदा प्राइवेट कमी उठाते हैं गुड़िया निवासी भरवारी वार्ड 17 राशन कार्ड में नाम चढ़वाने के लिए दिनांक 5 मई 2025 को जिला पूर्ति कार्यालय में गई थी। वहां पहुंचकर अपना ऑनलाइन वाला कागज दिखाया, तो कंप्यूटर ऑपरेटर ने ऑनलाइन वाला कागज फेक दिया और बोला ये कागज पुराना हे ओर बोला पता नहीं कहा से आ जाती हे मुंह उठा के,जब महिला ने कहा कि सही से बोलो, तो कंप्यूटर ऑपरेटर भड़क गया और उल्टा सीधा बोल के ऑफिस से बाहर भगा दिया,जिससे महिला को मानसिक आघात हुआ, ऐसे प्राइवेट ऑपरेटरों को ऑफिस से निकाला जाए और दंडित किया जाए। आखिर योगी की जीरोतारलेन्स नीति कहा गयी।

मजदूरों की मजदूरी हड़प कर गए विभागीय अफसर कर्मचारी परेशान

अखंड भारत संदेश

जांच के नाम पर एक वर्ष से विभाग में हो रही लीपा पोती

कौशाम्बी। वन विभाग में मजदूरों की मजदूरी में बीते कई वर्षों से बड़ा खेल हो रहा है मजदूरों से काम कराए जाने के बाद उन्हें मजदूरी नहीं दी जाती में बंधुआ मजदूर बना लिया जाता है कई महीने काम करने के बाद 1 महीने की मजदूरी दे दी जाती है और पिछला बकाया रह जाता है बाद में पिछला मांगते हैं तो कहा जाता है कि अभी तो दिया था इस तरह मजदूरों के साथ वन विभाग में धोखाधड़ी हो रही है इसी तरह का एक मामला सामने आया है जिसकी शिकायत कई बार जिलाधिकारी कार्यालय में हो चुकी है लेकिन जांच बार-बार विभागीय अधिकारी को दे दी जाती है और विभागीय अधिकारी जांच में लीपा पोती करके फिर जिला अधिकारी को गुमराह कर देते हैं जिससे मजदूरों की मजदूरी कई महीने बाद नहीं मिल सकी है डीएम को दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र के मुताबिक धीरेंद्र सिंह पुत्र भानु सिंह निवासी सरसवा थाना महेवाघाट वन विभाग कार्यालय मंझनपुर रेंज में वाचर पद पर कार्यरत है वर्ष 2024 में 11 मजदूरों को वन विभाग में लगा करके राज कैथवाल रेंजर मंझनपुर के निर्देश पर विभाग में पौधरोपण कराया गया है जिनकी मजदूरी 67 हजार 200 बनी थी लेकिन केवल 23 हजार रुपया मजदूरों को मजदूरी दी गई है 39 हजार 200 अभी तक मजदूरों को मजदूरी नहीं दी गई है पौधों की निराई गुड़ाई में 10 हजार मजदूरी की रकम में अभी तक रेंजर ने कोई रकम नहीं दिया है रेंजर के कहने पर दूसरे के नलकूप से सरकारी पौध की सिंचाई कराई गई है 5000 रुपए सिंचाई का पैसा रेंजर ने नहीं दिया है इसके साथ-साथ मेरे 6 महीने के वेतन का 35 हजार 820 में मुझे 11 हजार 900 दो महीने का वेतन दिया गया है 23 हजार 920 मेरा वेतन भी बकाया है वन विभाग मंझनपुर के रेंजर राज कैथवाल के ऊपर 78 हजार 120 मेरा बकाया निकल रहा है मजदूर मजदूरी मांगते हैं सिंचाई करने वाला सिंचाई मांगता है निराई गुड़ाई करने वाले मजदूर अपनी मजदूरी की बकाया रकम मांगते हैं इसके अलावा भी तमाम मजदूर की रकम में अफसरो ने घोटाला हेरा फेरी किया है इसके पहले के वर्ष में भी मजदूरों की रकम में घोटाला हेरा फेरी हुई है धीरेंद्र का कहना है कि इन मजदूरों की बकाया मजदूरी की रकम को कहां से सरकारी रकम का भुगतान करूँ मजदूर परेशान कर रहे हैं मजदूरों की मजदूरी की रकम सरकारी खजाने से रेंजर राज कैथवाल ने निकाल लिया है और गबन घोटाला किया है 78 हजार 120 बकाया के मामले के उच्च स्तरीय जांच करते हुए सरकारी खजाने से रकम निकालकर गबन घोटाला करने वाले मंझनपुर रेंजर राज कैथवाल के कारनामे पर मुकदमा दर्ज कराए जाने मजदूरों की रकम में घोटाला करने वाले मंझनपुर रेंजर की गिरफ्तारी कराए जाने और मंझनपुर रेंजर को निलंबित करने घोटाला करने वाले रेंजर मंझनपुर राज कैथवाल के वेतन से मजदूरों की रकम की रिकवरी कराए जाने और मजदूरों की बकाया रकम दिलाए जाने की मांग की गई है पूर्व में 27 जनवरी 2025 और 27 फरवरी 2025 को जिलाधिकारी के कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिया लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई बल्कि वन विभाग के कार्यालय बुला कर धीरेंद्र से गीता पढ़कर कसम खिलाई गई उसने कसम खाकर कहा कि मजदूरों का पैसा बकाया है उसके बाद भी मजदूरी की रकम नहीं मिली और शिकायती प्रार्थना पत्र को मनमानी तरीके से निस्तारित कर दिया गया है शिकायती प्रार्थना पत्र की फिर से जांच कराए जाने की मांग को लेकर धीरेंद्र जिला अधिकारी कार्यालय फिर पहुंचे हैं।

डीएसओ कार्यालय में दरोगा का आतंक

कार्ड धारकों से लेकर कोटेदार तक है परेशान लेकिन विभागीय अधिकारी कर रहे हैं मौज

कौशाम्बी। जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय में बीते 27 वर्ष से दरोगा के वसूली आतंक से कोटेदार से लेकर कार्डधारक तक परेशान है लेकिन कथित दरोगा के कारनामे पर अभी तक विभागीय अधिकारियों द्वारा रोक नहीं लगाई गई है विभागीय अधिकारियों के संरक्षण में यह दरोगा खुलेआम कोटेदारों से प्रत्येक महीने मोटी रकम की वसूली कर रहा है विभाग की कुर्सी में मठाधीश की तरह मौजूद इस दरोगा की वसूली में किस-किस अधिकारी का हिस्सा है यह तो बड़ी जांच का विषय है लेकिन जनपद बनने के पूर्व जब मंझनपुर तहसील हुआ करती थी तो यह दरोगा तहसील के पूर्ति कार्यालय का मठाधीश हुआ करता था और तहसील स्तर के कोटेदारों से वसूली किया करता था जिला बनने के बाद इस दरोगा को अधिकारियों ने जिला पूर्ति कार्यालय में बुला लिया और जिला पूर्ति कार्यालय में अधिकारियों के संरक्षण में यह कथित दरोगा की वसूली का खेल पूरे जिले के कोटेदार से बेखौफ तरीके से चलने लगा है जो अभी तक बंद नहीं हुआ है अधिकारियों के सामने मठाधीश की तरह कुर्सी में बैठकर यह दरोगा कोटेदारों को हड़काता है मनमानी रकम ना मिलने पर कोटेदारों को यह धमकी देता है और उसकी धमकी सही भी साबित हो जाती है जिस कोटेदार को इसने कह दिया तुम्हारा कोटा बहुत जल्द निलंबित हो जाएगा जांच के दौरान उस कोटेदार का कोटा निलंबित हो जाता है धौस देकर वसूली करना इसकी आदत में शुमार है जिसके आड़ में इसने अकूत संपत्ति भी अर्जित की है हालांकि पुलिस विभाग का यह वर्दी धारी दरोगा नहीं है लोग इसको दरोगा के नाम से जानते हैं सरकार से वेतन नहीं मिलता है लेकिन सुबह से जिला पूर्ति कार्यालय में आकर के यहां मठाधीश की तरह यह कथित दरोगा बैठ जाता है आखिर बिना वेतन मिले यह 27 वर्षों से जिला पूर्ति कार्यालय में ड्यूटी कैसे कर रहा है इस दरोगा की आमदनी का स्रोत क्या है यह बड़ी जांच का विषय है चचाओं पर जाए तो जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय के संरक्षण में इसने नामी बेनामी करोड़ो की संपत्ति अर्जित की है और विभागीय अधिकारियों का यह वसूली एजेंट है।

ठीक-ठाक सड़क की रिपेयर कर रहे लोक निर्माण विभाग के अधिकारी

कौशांबी गांव क्षेत्र की तमाम सड़के गड्ढे में तब्दील है उसकी मरम्मत कराए जाने का समय और बजट विभाग के अधिकारियों के पास नहीं है लेकिन जो सड़के पूरी तरह से ठीक-ठाक है जिसमें गड्ढे भी नहीं है कहीं सड़क उखड़ी भी नहीं है लेकिन उस सड़क के रिपेयर करने का प्रस्ताव विभाग के अधिकारियों ने स्वीकृत कर दिया है सड़क का रिपेयर ठेकेदारों ने शुरू कर दिया है जनपद मुख्यालय मंझनपुर चौराहे से समदा जाने वाली फोरलेन सड़क की मरम्मत बीते कई दिनों से लोक निर्माण विभाग के ठेकेदारों द्वारा किया जा रहा है इस सड़क में कहीं भी गड्ढे नहीं थे सड़क कहीं भी टूटी-फूटी नहीं थी ठीक-ठाक सड़क की मरम्मत कर करके आखिर लोक निर्माण विभाग के अधिकारी सरकार के प्रति क्या संदेश देना चाहते हैं आम जनता इसका जवाब चाहती है चचाओं पर जाए तो ठीक-ठाक सड़क की मरम्मत और रिपेयर करने में खर्च कम आता है बचत ज्यादा होती है जिससे अधिकारियों का कमीशन अधिक हो जाता है इसीलिए ठीक-ठाक सड़क की रिपेयर करने के लिए अधिकारी भी ज्यादा उतावले दिखाई पड़ते हैं और ठीक-ठाक सड़क की रिपेयर करने के लिए ठेकेदारों को मंजूरी दे देते हैं और सड़क में ऊपर से औपचारिकता निभा करके सरकार के खजाने से करोड़ों की रकम निकाल ली जाती है जिस में विभागीय अधिकारी और ठेकेदारों का हिस्सा बंटवारा होता है मंझनपुर मुख्यालय के समदा रोड की सड़क के रिपेयर कराए जाने के मामले की आम जनता ने जांच कराए जाने की मांग शासन से की है।

अदालत में मुकदमा विचाराधीन होने के बाद जबरिया हो रहा है जमीन पर कब्जा

कौशांबी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर के पुलिस चौकी दीवार कोतारी के अंतर्गत ओसा गांव की धन्नो देवी उर्फ राजपति पत्नी रामदास ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी पति के मौत होने के बाद कोडड गांव की जमीन में उसके दो बेटे और उसका नाम दर्ज हुआ था लेकिन गांव के कुछ लोगों ने साजिश रच के उसके एक बेटे के नाम के स्थान पर दूसरे ब्यक्ति का नाम वरासत में दर्ज करवा दिया और बेटे की हत्या कर दी गई है विधवा महिला अपने बेटे की हत्या के बाद हत्यारे को दण्ड दिलाने के लिए लंबे समय से परेशान है एक तरफ विधवा के बेटे की हत्या कर दी गई दूसरे तरफ उसकी जमीन पर हत्यारे कब्जा कर रहे हैं हत्या करने वालो ने विधवा के बेटे के हिस्से की जमीन का फर्जी वरासत करवा कर उसकी जमीन को बैनामा कर दिया गया है उक्त जमीन का मुकदमा भी अदालत में चल रहा है लेकिन अदालत में मुकदमा विचाराधीन होने के बाद भी विवादित जमीन पर जबरिया निर्माण किया जा रहा है पुलिस चौकी में शिकायत करने के बाद भी निर्माण नहीं रुका है मामले में स्थानीय पुलिस चौकी की भूमिका पर बड़े सवाल खड़े हैं चंद्र रुपए के लालच में चौकी पुलिस खून खराबा करवा सकती है।

विद्युतीकरण में सैकड़ो करोड़ खर्च होने के बाद कनेक्शन लेने के लिए जनता परेशान

अखंड भारत संदेश

आजादी के 7 दशक बाद जनपद मुख्यालय में आम उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा बिजली का कनेक्शन ढिबरी के सहारे होता जीवन यापन

विद्युतीकरण के सैकड़ो करोड़ केवघोटाले की सीबीआई जांच कराए जाने की योगी सरकार से जनता ने की मांग

कौशांबी। विद्युतीकरण कराए जाने के नाम पर बिजली तार लगाए जाने के नाम पर बिजली विभाग के अधिकारियों ने बीते 3 वर्षों के बीच बिना ठोस कार्य योजना बनाए मनमानी तरीके से सैकड़ो करोड रुपए की सरकारी रकम खर्च कर दी है बिजली विभाग के अधिकारी इस योजना को अमल में लाने में नेताओं की गुलामी करते रह गए जिससे योजना सही तरीके से संचालित नहीं हो सकी और योजना का लाभ केवल नेताओं के लोगों तक पहुंच सका है सैकड़ो करोड़ खर्च के बाद भी जहां बिजली आपूर्ति नहीं हो पा रही थी वहां बिजली के खंभे तार नहीं लगाए गए हैं बिजली पहुंचाने का प्रयास नहीं हुआ है जिससे केंद्र सरकार द्वारा बिजली सप्लाई के लिए बनाई गई यह योजना सैकड़ो करोड रुपए खर्च किए जाने के बाद पूरी तरह असफल साबित हुई है विद्युतीकरण में विभागीय अधिकारी और ठेकेदारों का गठजोड पूरे व्यवस्था पर हावी था विद्युतीकरण में बिना ठोस कार्य योजना बनाएं बिजली विभाग के बड़े अधिकारियों की मनमानी के चलते सही तरीके से विद्युतीकरण नहीं हो सका जिससे आम जनता विद्युत कनेक्शन पाने के लिए आजादी के 7 दशक बाद भी तरस रही है। विद्युत कनेक्शन लेने के लिए इतना अधिक एस्टीमेट बनाकर के बिजली विभाग के अधिकारी उपभोक्ताओं को दे देते हैं जितने में उनके परिवार का 3 वर्षों का राशन का खर्च चल जाता है अब सवाल उठता है कि मनमानी एस्टीमेट बनाने के बाद गांव क्षेत्र की गरीब जनता कैसे एस्टीमेट का पैसा जमा करेगी और गरीब को कैसे विद्युत कनेक्शन मिलेगा आजादी के 7 दशक बाद भी आम जनता अंधेरे में जीवन यापन करने के लिए मजबूर दिखाई पड़ रही है सरकार डिजिटल इंडिया की बात करती हैं इक्कीसवीं सदी में सुख सुविधाओं की बात सरकार कर रही है लेकिन यहां आम जनता को आज भी लालटेन और ढिबरी के सहारे जीवन यापन करना पड़ रहा है लालटेन और ढिबरी के लिए मिट्टी का तेल भी मिलना बंद हो गया है जिससे गरीब परिवार को पूरी रात अंधेरे में जीवन यापन करना पड़ता है यह मामला किसी बीहड़ और दूर दराज गांव क्षेत्र का नहीं है बल्कि जनपद मुख्यालय मंझनपुर के नगर पालिका परिषद क्षेत्र का है जहां अभी भी तमाम ऐसे क्षेत्र हैं जहां आजादी के 7 दशक बाद भी विद्युतीकरण नहीं हो सका है और लोगों को विद्युत कनेक्शन लेने में कई कई साल विद्युत विभाग के अधिकारियों का चक्कर लगाना पड़ता है फिर भी विद्युत कनेक्शन नहीं मिल पाता है बताते चले कि जनपद मुख्यालय मंझनपुर नगर पालिका परिषद क्षेत्र के दुर्गा मंदिर के आसपास क्षेत्र में विद्युतीकरण की सुविधा बिजली विभाग ने बहाल नहीं किया है खम्भे तार नही है जबकि सैकड़ो करोड रुपए बिजली के खम्भे तार के नाम पर जिले में खर्च कर दिया गया है इस क्षेत्र के दर्जनों परिवार लालटेन और ढिबरी के सहारे जीवन यापन करने को मजबूर है आखिर जनपद मुख्यालय बनने का क्या मतलब रह गया है जब जनपद मुख्यालय के लोगों को बिजली का एक कनेक्शन आसानी से ना मिल सके गरीब परिवार को अंधेरे में जीवन जीना पड़े विधुतीकरण के नाम पर सरकार के सैकड़ो करोड़ के धन को बिजली विभाग के लापरवाह अधिकारियों ने मनमानी तरीके से खर्च कर बड़ी कमीशन खोरी की है जिससे विद्युतीकरण की योजना सफल होती नहीं दिख रही है विद्युतीकरण योजना में सैकड़ो करोड़ रुपए जनपद में खर्च किए जाने की यदि शासन प्रशासन ने उच्च स्तरीय जांच कराई तो बिजली विभाग के बड़े अधिकारी भ्रष्टाचार के बड़े दोषी होंगे और जेल के सलाखों के पीछे होंगे लेकिन क्या बिजली विभाग में बड़े घोटाले की निष्पक्ष तरीके से जांच हो पाएगी यह व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े हैं क्षेत्र के लोगों ने विद्युतीकरण के घोटाले की सीबीआई जांच कराए जाने की मांग योगी सरकार से की है।

सम्पादकीय

भारत ने आर्थिक प्रगति के बल पर आतंकवादी ठिकानों को किया नेस्तनाबूद

भारत ने अंततः पाकिस्तान के कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर ही दिया। भारत के इस कठोर कदम से भारतीय नागरिकों को संतुष्टि मिली है, विशेष रूप से उन परिवारों को जिन्होंने हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के हमले में अपने सगे सम्बन्धियों को खोया है। विश्व के लगभग समस्त देशों ने भारत के इस कदम का समर्थन ही किया है क्योंकि आतंकवादियों से अपने देश के नागरिकों की रक्षा करना किसी भी देश की सरकार का प्रथम कर्तव्य है। भारत को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर हमले करने का साहस कहां से मिलता है। यह मिलता है भारतीय नागरिकों की एकजुटता से, वर्तमान केंद्र सरकार पर देश के नागरिकों का भरपूर विश्वास है एवं वह यह सोचती है सही समय पर एवं सही स्थान पर भारतीय सेना आतंकवादियों पर हमला करके अपने नागरिकों के मारे जाने का बदला जरूर लेगी। दूसरे, संभवतः भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति से भी केंद्र सरकार को कठोर निर्णय लेने का बल मिलता है। इस संदर्भ में, हाल ही में अच्छी खबर यह आई है कि भारत जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चोथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं संभवतः वर्ष 2026 के अंत तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को भी पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारतीय अर्थव्यवस्था आज भी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। विश्व के लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भारत के संदर्भ में यह भविष्यवाणी करते हुए दिखाई दे रहे है कि आगे आने वाले कई दशकों तक भारत इसी प्रकार विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा।

भारत ने पिछले 10/11 वर्षों के दौरान वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रमों को लागू किया है। जिसका परिणाम स्पष्ट रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। माह अप्रेल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण नित नई ऊंचाईयां छूते हुए 2.37 लाख करोड़ रुपए के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। यह सब देश के नागरिकों द्वारा अप्रत्यक्ष करों के नियमों का अनुपालन करने के चलते सम्भव हो पा रहा है। अप्रेल 2025 माह में ही फैक्ट्री उत्पादन के मामले में पिछले 10 माह के उच्चत्तम स्तर को पार किया गया है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में तेजी से बढ़ती जा रही है और यह अपने पिहले 7 माह के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है। और तो और, सरकारी उपक्रमों एवं निजी कम्पनियों की लाभप्रदता में भी भारी सुधार देखने में आ रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय स्टेट बैंक ने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है।

अव्वल आने की होड़ में छात्रों की आत्महत्याएं चिन्ताजनक

- ललित गर्ग -

टॉपर संस्कृति के दबाव एवं अव्वल आने की होड़ में छात्रों के द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना एक गंभीर समस्या है। यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में लगातार हो रही छात्रों की दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। पश्चिम बंगाल के आई आई टी खड़गपुर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र मोहम्मद आसिफ कमर का शव उनके हॉस्टल रूम में फंदे से लटका मिला। भुवनेश्वर के कीट में कम समय में दूसरी नेपाली छात्रा की मौत से विश्वविद्यालय की छवि और भारत के विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। नीट के पेपर के तनाव में नूपुर ने नीट पेपर के एक दिन पहले फांसी लगाकर जान देना एवं मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता एवं टॉपर संस्कृति की आत्महंता सोच को ही उजागर करती है। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन केन्द्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन-पर-दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। यह शिक्षाशास्त्रियों, समाज एवं शासन व्यवस्था से जुड़े हर एक व्यक्ति के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

कोचिंग संस्थानों की बढ़ती बाढ़ एवं गलाकाट प्रतिस्पर्धा में छात्र किस हद तक जानलेवा घातकता का शिकार हो रहे हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक चक्रव्यूह बन जाते हैं। छात्रों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर में अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है, तभी भारत सशक्त होगा, विकसित होगा। पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। युवाओं को भी सोचना होगा कि जिंदगी दोबारा नहीं मिलती। इसे यूं ही तनाव में आकर ना गंवाएं, बल्कि जिंदगी में आने वाली कठिनाइयों का डटकर मुकाबला करें। पढ़ाई में असफल रहने के कारण कुछ बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। हर परिवार की अपने बच्चों से ज्यादा अपेक्षाएं होती हैं। अधिकतर युवा जिंदगी में आने वाली समस्याओं को बर्दाश्त नहीं

कर पाते और वे अपनी बात किसी से साझा तक नहीं करते। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं तथाकथित समाज एवं राष्ट्र विकास एवं शिक्षा की विडम्बनापूर्ण एवं त्रासद तस्वीर को बयां करती है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों, उच्च शिक्षा संस्थानों एवं कोंचिंग संस्थानों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं हमारी चिन्ता का सबब बनना चाहिए।

वैसे छात्रों की आत्महत्या कोई नई बात नहीं है, ऐसी खबरें हर कुछ समय बाद आती रहती हैं। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में कोचिंग संस्थानों में ही नहीं, आईआईटी जैसे संस्थानों में ही 52 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह संख्या इतनी छोटी भी नहीं कि ऐसे मामलों को अपवाद मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए। बेशक ऐसे हर मामले में अवसाद का कारण कुछ अलग रहा होगा, वे अलग-अलग तरह के दबाव होंगे, जिनके कारण ये छात्र-छात्राएं आत्महत्या के लिए बाध्य हुए होंगे। ऐसे संस्थानों में जहां भविष्य की बड़ी-बड़ी उम्मीदें उपजनी चाहिए, वहां अगर दबाव और अवसाद अपने लिए जगह बना रहे हैं और छात्र-छात्राओं को आत्महंता बनने को विवश कर रहे हैं तो यह एक काफी गंभीर मामला है। शैक्षणिक दबावों के चलते छात्रों में आत्महंता होने की घातक प्रवृत्ति का तेजी से बढ़ना हमारे नीति-निमार्ताओं के लिये चिन्ता का कारण बनना चाहिए। क्या विकास के लम्बे-चौडे. दावे करने वाली भारत सरकार ने इसके बारे में कभी सोचा? क्या विकास में बाधक इस समस्या को दूर करने के लिये सक्रिय प्रयास शुरू किए? विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निमार्ताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिर्वतन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं।

छात्रों के सिर पर परीक्षा का तनाव एवं अव्वल आने की दोड़ प्रतिस्पर्धा के दौर में और भी बढ़ गयी है। आज रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हैं। ग्रेजुएशन कर चुकने वाला छात्र केवल किसी दफ्तर में ही अपने लिये सम्भावनायें तलाशता है। लेकिन नौकरी नहीं मिलती। बेरोजगारी अवसाद की ओर ले जाती है और अवसाद आत्महत्या में त्राण पाता है। लेकिन कोचिंग संस्थानों एवं शिक्षा के उच्च संस्थान में अवसाद पसरा है और उसके कारण छात्र यदि आत्महत्या करते हैं, तो यह इस उच्च शैक्षणिक संस्थानों एवं कोचिंग संस्थानों के भाल पर बदनुमा दाग है। यह माना जाता है कि देश की सबसे प्रखर प्रतिभाएं इन्हीं कोचिंग संस्थानों में पहुंचती हैं, जहां लगातार हो रही आत्महत्या की खबरें यह तो बताती ही हैं कि कोचिंग संस्थानों में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा, साथ ही वे बहुत से बच्चों और उनके अभिभावकों के सपने को तो तोड़ते ही हैं लेकिन उनकी उम्मीद की सांसों को ही छीन लेते हैं। बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिर्वतन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके, इन दबावों के कारण ही कुछ छात्र आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं। जब छात्रों में अव्वल आने की मनोवृत्ति, कैरियर एवं बी नम्बर वन की दौड़ सिर पर सवार होती हैं और उसे पूरा करने के लिये साधन, क्षमता, योग्यता एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते हैं तब कुंठित, तनाव एवं अवसादग्रस्त व्यक्ति को अन्तिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है। इनदिनों शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं अभिभावकों की अतिशयोक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाओं के कारण आत्महत्या की घटनाएं अधिक देखने को मिल रही है।

जनचौपाल में पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य ने सुनीं समस्याएं

भदोही। जनपद भ्रमण पर शनिनवार को आये सदस्य राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सत्येंद्र बारी बिनु ने प्रयागदासपुर, कुरमैचा, जगुनंदनपटटी, छोटा डीह बिन्द बस्ती नगर पंचायत ज्ञानपुर वार्ड नंबर 07 तक पहुंच कर जनचौपाल में लोगों की समस्याएं सुनीं। सड़क बिजली, पानी, राशन कार्ड जैसी मूलभूत समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को पारदर्शिता के साथ जिम्मेदारियों के निर्वहन पर विशेष बल दिया। छोटा डीह की जनचौपाल में पहुंचने पर चेयरमैन घनश्यामदास गुप्ता, सभासद रमेश पासी, रंजीत गुप्ता, राजू रावत, प्रमोद रावत, रोहित रावत, कमला चौरसिया आदि ने पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्या का माल्यार्पण, अंगवस्त्रम भेंटकर स्वागत किया। जनचौपाल को संबोधित करते हुए सदस्य ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन वाली सरकार

नगर हो या ग्रामीण क्षेत्र, चहुंमुखी विकास को लेकर संकल्पित है। यही कारण है कि सरकारें जनकल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित कराने में पंक्ति के अंतिम पायदान तक पहुंचने पर विशेष प्राथमिकताएं दिखाती हैं। हम वहीं पहुंच रहे हैं जहां रहवासी जरूरत की सुविधाओं से वंचित हैं। इसका मुख्य उददेश्य यह कि सदनों से पारित हो रही योजनाओं की हकीकत धरातल पर कहां तक है। इस बात से इनकार नहीं किया कि बहुउददेशीय योजनाओं से सभी वर्ग अपना हित साध रहे हैं। चंदमात्र की कसर भी दूर होती नजर आएगी। प्रभारी पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी शत्रुघ्न कनौजिया, लेखपाल हरिकेश, शिवकुमार, जयबहादुर पटेल, क्षमा यादव ने आयोग सदस्य का स्वागत शिष्टाचार रूपरूप में किया।

इलाज के दौरान आईटीबीपी के जवान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के ननवगपुर जखांव निवासी सुनील कुमार सिंह 35 वर्ष की इलाज के दौरान मौत हो गई,(आई टी बीपी) इंडियन तिब्बत बार्डर पुलिस मे कार्यरत सुनील का पंद्रह दिन पूर्व वाराणसी स्थित अस्पताल में पथरी का आपरेशन कराया गया था जहा हालत बिगड़ जाने पर चार दिन पूर्व पीजीआई लखनऊ ले जाया गया था।

ननवगपुर निवासी बद्रीनाथ सिंह के छोटे पुत्र 10 वर्ष से आईटीबीपी मे कार्यरत थे।उनकी तैनाती सिक्किम मे थी इलाज कराने के लिए इन दिनों घर आए थे।15 दिन पूर्व वाराणसी एपेक्स में आपरेशन कराया गया जहां हालत बिगड़ जाने पर चार दिन पूर्व पीजीआई ले जाया गया था जहा उनकी मौत हो गई,दो भाई व दो बहन मे सबसे छोटे सुनील की एक ढाई साल की पुत्री है। उनकी असामयिक मौत से परिवार के साथ गांव शोक व्याप्त है। रविवार को सुबह लखनऊ से शव गांव पहुचा तो कोहराम मच गया। शव के साथ पहुचे आईटी बीपी के जवानो ने साथी को सलामी दी,अंतिम संस्कार रामपुर गंगा घाट पर किया गया। शव यात्रा मे बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहना होगा

रमेश सर्राफ धमोरा

आज दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आए। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके। स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इंसान जब तक स्वस्थ रहता है तब तक उसमें कार्य करने की क्षमता बनी रहती है। जब वह अस्वस्थ होने लगता है तो उसके कार्य करने की क्षमता भी कमजोर पड़ने लगती है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि पहला सुख निरोगी काया। यानी शरीर स्वस्थ रहने पर ही सबसे पहला सुख मिलता है। आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से जुड़े सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं। वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर 1 में रखता है। वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सकी है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगी उस देश के लोगों कि औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को डीपीटी का टीका देना पड़ता है।

भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ्त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है। भारत में डॉक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। हमारे देश में 1000 लोगों पर एक डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफी कम है और केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं। पिछले कुछ सालों में हमारे देश में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रभाव बढ़ा है। साथ ही मधुमेह, हृदय रोग, क्षय रोग, मोटापा, तनाव की चपेट में भी लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर का खतरा बढ़ा है। ये बीमारियां बड़ी तादाद में उनकी मौत का कारण बन रही हैं। ग्रामीण तबके में देश की अधिकतर आबादी उचित खानपान के अभाव में कुपोषण की शिकार हो रही है। महिलाओं, बच्चों में कुपोषण का स्तर अधिक देखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रति 10 में से सात बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। वहीं महिलाओं की 36 प्रतिशत आबादी कुपोषण की शिकार है।

भारत में इलाज पर अपनी जेब से खर्च करने वाले पीड़ित लोगों की संख्या ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। भारत की तुलना में इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से अधिक खर्च करने वाले लोगों का देश की कुल जनसंख्या में प्रतिशत श्रीलंका में 2.9 फीसदी, ब्रिटेन में 1.6 फीसदी, अमेरिका में 4.8 फीसदी और चीन में 17.7 फीसदी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अभी भी बहुत से लोग ऐसी बीमारियों से मर रहे है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि देश की आबादी का 3.9 फीसदी यानी 5.1 करोड़ भारतीय अपने घरेलू बजटा का एक चौथाई से ज्यादा खर्च इलाज पर ही कर देते हैं।

चचेरे देवर ने छूरा से प्रहार कर महिला की ले ली जान

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के जगन्नाथ पुर गांव मे कालीन बुनाई करने वाले छूरा के प्रहार से घायल पार्वती देवी 40 वर्ष की मौत हो गई। मृत महिला को शनिवार की रात चचेरे देवर ने कालीन बुनाई करने वाले छूरा से प्रहार कर घायल कर दिया था। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज में प्राथमिक उपचार के बाद उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया था। घटना की जानकारी पर पहुची पुलिस आरोपी सहित तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है। मृतक महिला के पुत्री की रविवार को बारात आने वाली थी। घटना के संबंध मे बताया जाता है कि गांव निवासी स्वर्गीय अनिल सरोज की पत्नी पार्वती देवी पति के निधन के बाद अपने चचेरे देवर के साथ सूरत मे रहती थी। कुछ दिनों से दोनों का तालमेल बिगड़ गया था। देवर उसे छोड़ कर मुम्बई चला गया था और वह घर लौट आई थी। पार्वती अपनी बड़ी लड़की की शादी की तैयारी मे लगी थी। इसकी जानकारी पर देवर भी गांव आ गया था। शनिवार को दिन मे पार्वती अपने ससुर के साथ गोपीगंज बाजार में सामान की खरीदारी करने आई थी। ससुर ज्ञानचंद सामान लेकर बाइक से घर चला गया और पार्वती आटो से गांव पहुची जहा आटो से उतर कर घर की ओर जा रही थी, रास्ते में घात लगाकर बैठे चचेरे देवर राजकुमार उर्फ जैकी ने कालीन बुनाई करने वाले छुरा से प्रहार कर उसे घायल कर दिया। घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी रेफर कर दिया गया था। जहा देर रात उसकी मौत हो गई उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पोस्ट मार्टम के बाद शव घर पहुचा। उसके अंतिम संस्कार के साथ ही सादगी पूर्वक बेटी की शादी की रस्म पूरी की गई।

मातृ दिवस के अवसर पर जनजागरुक्ता कार्यक्रम

भदोही । रविवार को मातृ दिवस के अवसर पर वेल्सपन फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड नॉलेज और मानव संसाधन एवम महिला विकास संस्थान के सयुंक्त तत्वाधान मे सुरियावा के सियरहा गांव के प्रजापति बस्ती में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गांव के 250 से अधिक महिलाओं, किशोरी और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से श्याम देई और समूह सखी भी शामिल हुयी ।

इस कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए उन्हों ने कहा की11मई को मातृ दिवस मई माह के दूसरे रविवार को अमेरिका की एना जर्विस द्वारा अपने माँ के याद मे मनाया जाता है जिसे मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य है की मातृ दिवस के महत्त्व के बारे में प्रकाश डाला और बताया सभी लोगो अपने माँ का सम्मान करना चाहिए माँ का हमारे जीवन मे वहुत बड़ा महत्व है ।श्री मती कुसुम जी समूह सखी ने महिलाओ को एनआरएलएम के बैठक में स्वास्थ के मुद्दे के बारे मे सचेत होना जरूरी है बताया और की हम लोग इस समय महिलाओ अटल पेंसन और प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना पर प्रकास डाला और सामाजिक कार्य करता संगीता जी ने माँ के त्याग और समर्पण पर चर्चा किया यह भी बात हुआ की महिलाओ के स्वास्थ का विशेष ध्यान देना चाहिए महिलाये अपने परिवार और बच्चो के समर्पण पर इतना ध्यान देते है की अपने स्वास्थ का ध्यान नहीं दे पाती और वही माँ के लिए हमारे पास समय नहीं रहता इस लिए कम से कम एक दिन ऐसा हो की हम पूरा समय अपने माँ को दे ये बहुत जरुरी और उनके स्वास्थ, खान,पान पर हमारी जिम्मेदारी है की देख रेख करें ।

इस कार्यक्रम में महिला और किशोरियों के साथ मातृ दिवस के विषय पर विचार, संस्कृतिक एवं खेल संबधी गतिविधियों के माध्यम से किया गया।

इस अवसर पर संस्था से , सीमा मौर्या , ,मीरा , रीता सिंह इत्यादि ने विचार व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम का संचालन रीता सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन सीमा मौर्या देवी ने किया।

सिर्फ 5 किलो अनाज के लिए मौत के मुहाने पहुंचा कोटेदार, दबंगों की दादागीरी, मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। जिले के मऊ थाना क्षेत्र के ग्राम परदवा में सरकारी गल्ले की दुकान पर उस वक्त बवाल मच गया जब सिर्फ 5 किलो अनाज के लिए कुछ दबंगों ने कोटेदार पर जानलेवा हमला कर दिया। यह घटना उस वक्त हुई जब कोटेदार रतनधर द्विवेदी (65) का बेटा राजमंडल धर द्विवेदी दुकान पर राशन वितरण कर रहे थे। दो गांवों के लिए संयुक्त रूप से संचालित इस दुकान पर उस दिन दूसरे गांव का नंबर था, लेकिन परदवा गांव के कुछ दबंगों ने अपनी दबंगई दिखाते हुए पहले राशन देने की जिद की। जब कोटेदार ने नियमानुसार वितरण की बात कही, तो बात बहस में बदल गई और फिर देखते ही देखते कोटेदार पर लाठियां बरसने लगीं। हमलावरों ने न केवल उन्हें पीटा बल्कि राशन वितरण की थंब डिवाइस भी तोड़ डाली। गंभीर रूप से घायल रतनधर द्विवेदी को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने भी इस हमले की निंदा करते हुए पीड़ित कोटेदार को न्याय दिलाने की मांग की है। इस पूरे प्रकरण में थानाध्यक्ष की ओर से तैनात दारोगा अजीत पांडेय ने बताया कि मामला राशन वितरण में गड़बड़ी को लेकर उपजा। आरोपी पक्ष के शनि और यश राशन लेने आए थे, जहां उन्होंने घटतौली के आरोप में कोटेदार के पुत्र से मारपीट की और उसे घायल कर दिया। दरोगा ने बताया कि सिर में गंभीर चोटें आई हैं और घटना को गंभीरता से लेते हुए मामला पंजीकृत कर विधिसंगत कार्यवाही की जा रही है।

लाठी से कोटेदार पर हमला करते दबंग

रामपुर में युवक ने पेड़ से लटककर की आत्महत्या, क्षेत्र में सनसनी

चित्रकूट। सरधुवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत रामपुर गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब गांव से दूर एक पेड़ पर युवक सज्जन प्रसाद का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना सरधुवा पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर पंचनामा भरने की प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार मृतक सज्जन प्रसाद के आत्महत्या के पीछे कारणों की जांच की जा रही है। ग्रामीणों के बीच युवक की मौत को लेकर कई तरह की चचाएं हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कारण सामने नहीं आया है। परिजनों से पूछताछ और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

तिलक समारोह में टेंट लगाते समय दर्दनाक हादसा, 5 बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के रैपुरा थाना क्षेत्र के शंभूपुर गांव में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसने तिलक की खुशियों को मातम में बदल दिया। डढ़वार निवासी राकेश प्रजापति (35) की उस वक्त हाईटेंशन लाइन से करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई, जब वह एक तिलक समारोह में टेंट लगाने का कार्य कर रहा था। राकेश अपने साथी पवन प्रजापति के साथ तिलक कार्यक्रम के लिए टेंट लगाने शंभूपुर पहुंचा था। कार्यक्रम स्थल पर टेंट का सामान उतारते समय लोहे का पाइप ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से छू गया और राकेश करंट की चपेट में आ गया। मौके पर ही वह बुरी तरह झुलस गया। साथी मजदूरों ने आनन-फानन में उसे सीएचसी रामनगर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस हादसे से राकेश के घर में कोहराम मच गया। पीछे रह गई उसकी पत्नी आरती देवी, चार बेटियां और एक बेटा-जो अब जीवनभर उस पिता की कमी महसूस करेंगे जिसने रोजी-रोटी की तलाश में अपनी जान गंवा दी। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों की सूचना पर घटना दर्ज कर ली गई है। तहरीर मिलने पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में संविदा चालकों की भर्ती का सुनहरा अवसर, चित्रकूट डिपो में खुली भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम चित्रकूटधाम क्षेत्र (बाँदा) ने चित्रकूट डिपो में संविदा चालकों की भर्ती के लिए सुनहरा अवसर प्रदान किया है। इच्छुक अभ्यर्थी कार्यालय अवकाश के दिनों को छोड़कर प्रतिदिन चित्रकूट डिपो, बेड़ीपुलिया में आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा 8वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अभ्यर्थी की लंबाई कम से कम 5 फीट 3 इंच होनी चाहिए और उसके पास वैध हेवी ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए, जो कम से कम दो वर्ष पुराना हो। इसके अतिरिक्त दो वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है। अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 23 वर्ष 6 माह से अधिक होनी चाहिए। आवेदन करते समय आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है। चयनित चालकों को प्रति किलोमीटर 2.06 रूपए की दर से पारिश्रमिक मिलेगा।

जब सरकारी स्कूल बना कबाड़खाना बीएसए ने की कड़ी कार्रवाई

● प्रधानाध्यापिका निलंबित ● 10 का रोका वेतन

अखंड भारत संदेश

रामनगर (चित्रकूट)। चित्रकूट जिले के सरकारी स्कूलों की बदहाली का पदार्फाश उस वक्त हुआ जब जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा ने शनिवार को प्राथमिक विद्यालय रामाकोल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में जो स्थिति सामने आई, उसने शिक्षा व्यवस्था की नींव पर ही सवाल खड़े कर दिए। नामांकित 32 छात्रों के सापेक्ष महज 10 छात्र उपस्थित पाए गए। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय को इंग्लिश मीडियम घोषित किए जाने के बावजूद बच्चों को हिंदी तक पढ़नी नहीं आती, जिससे अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने से कतरा रहे हैं। किताबें बोरों में बंद सड़ रही थीं, जबकि कक्षाएं सीमेंट और लकड़ियों के कबाड़ से भरी मिलीं। इतना ही नहीं, बच्चों के लिए आने वाला दूध वितरण भी अनुपस्थित था। इस लापरवाही को देखते हुए बीएसए ने प्रधानाध्यापिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर मानिकपुर बीआरसी से संबद्ध कर दिया। बीएसए ने रामाकोल के बाद करौंदी कलां, रैपुरा, लालापुर और आनंदपुर के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों का भी निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय आनंदपुर में शैक्षिक गुणवत्ता बेहद खराब पाई गई, जिससे नाराज होकर प्रधानाध्यापक पुष्पराज सिंह और सहायक अध्यापिका प्रियंका सिंह चंदेल का मई माह का वेतन रोक दिया गया। कम्पोजिट विद्यालय नांदी में बच्चों की उपस्थिति असंतोषजनक मिलने पर प्रधानाध्यापक इंद्रजीत सिंह, सहायक अध्यापिका गरीमा सिंह, मंगल प्रताप सिंह, सत्यदेव सिंह और अंकित बेलदार पर भी कार्रवाई करते हुए उनका मई माह का वेतन रोका गया। गोकुलपुर विद्यालय में समय से न पहुंचने पर प्रधानाध्यापक मथुरा प्रसाद, सहायक अध्यापिका दिव्या सचान और शिक्षा मित्र सुरेश प्रसाद गौतम का वेतन एवं मानदेय रोकने के निर्देश दिए गए हैं। बीएसए बीके शर्मा ने दो टूक कहा कि शिक्षण गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा।

कबाड़खाना बना सरकारी स्कूल

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी भगवानदीन को पुलिस ने किया गिरफ्तार, दो अन्य फरार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस ने एक नाबालिग से दुष्कर्म के गंभीर मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी भगवानदीन उर्फ राजकुमार को गिरफ्तार कर एक अहम सफलता हासिल की है। यह गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश में मानिकपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक व अपराध निरीक्षक विनय विक्रम सिंह की संयुक्त टीम ने की। आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह मामला न सिर्फ गंभीर था, बल्कि समाज में भय और आक्रोश का कारण भी बन रहा था। भगवानदीन की गिरफ्तारी से पीड़िता और उसके परिजनों को थोड़ी राहत मिली है, लेकिन इस मामले में नामजद दो अन्य आरोपी- समरनाथ यादव और छोटू कोल- अभी भी फरार हैं। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश तेज कर दी है और जल्द ही उन्हें भी सलाखों के पीछे पहुंचाने का दावा किया है। वहीं पुलिस पर बाकी आरोपियों को जल्द पकड़ने का दबाव भी बढ़ गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में अपराध निरीक्षक विनय विक्रम सिंह थाना मानिकपुर दारोगा रविन्द्र कटियार मौजूद रहे।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

सालगिरह पर साजिश? ससुराल गया विवेक, लौटी उसकी लाश, बहन ने लगाए हत्या के आरोप

चित्रकूट। जिले के भरतकूप में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने इलाके को दहला दिया है। विवेक विक्रम सिंह उर्फ मोनू (35) की लाश शनिवार देर रात सड़क पर मिली, और परिजनों ने इस मौत को एक सुनियोजित हत्याह्न करार देते हुए पत्नी और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मूल रूप से भरतकूप निवासी विवेक की शादी को तीन साल हुए थे। उनकी पत्नी शालू सिंह कुछ दिन पहले मायके ममसी चली गई थीं। शनिवार को शादी की सालगिरह के मौके पर विवेक अपने 8 माह के बेटे विराट और पत्नी से मिलने ससुराल गया था। लेकिन बहन प्रीति सिंह के अनुसार, ससुरालियों ने विवेक को घर में घुसने तक नहीं दिया और गालीगलौज कर अपमानित किया। रात करीब 11 बजे विवेक की मौत की खबर आई-शव सड़क पर पड़ा मिला और दावा किया गया कि यह सड़क हादसा है। लेकिन परिजनों का आरोप है कि जमीन-जायदाद की लालच में विवेक की हत्या कर शव को एक्सीडेंट दिखाने के लिए फेंक दिया गया। पोस्टमार्टम हाउस पर परिजनों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद कोतवाल उपेंद्र प्रताप सिंह ने पैनल और वीडियोग्राफी पोस्टमार्टम का आश्वासन देकर मामला शांत कराया।

किट वितरित करते सेवा संस्थान के अध्यक्ष

घर से रोशनी, गांव से क्रांति : सोलर सखियों की कहानी, आत्मनिर्भरता की नई रौशनी

चित्रकूट। जहां एक ओर ग्रामीण भारत की बेटियों को अक्सर सीमाओं में बांधने की कोशिश होती है, वहीं चित्रकूट की दो साहसी बालिकाओं ने सीमाओं को पार कर सोलर सखियों के रूप में नई रोशनी व आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है। विकास पथ सेवा संस्थान के प्रयासों से चयनित इन बालिकाओं को बिंदी इंटरनेशनल एसोसिएशन हरमाड़ा (राजस्थान) में तीन माह का विशेष आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने सोलर टेक्नोलॉजी, डिजिटल ट्रेनिंग, सेल्स, मार्केटिंग और मरम्मत जैसे विषयों में दक्षता हासिल की। यह प्रशिक्षण मात्र एक कोर्स नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की वो चिंगारी थी, जो अब पूरे चित्रकूट में उजाला फैलाने को तैयार है। अब ये सोलर सखियां सोलर टॉर्च, लैंप, बल्ब बनाना, बेचना और मरम्मत करना सीख चुकी हैं। वे अपने गांव में डेमो किट दिखाकर सोलर उत्पादों को प्रमोट करेंगी, जिससे जहां एक ओर हर घर में उजाला पहुंचेगा, वहीं दूसरी ओर इन बालिकाओं की आय का स्रोत भी विकसित होगा। प्रशिक्षण में चित्रकूट की इन बेटियों को खास सम्मान भी मिला। राजस्थान रॉयल्स की टीम ने उन्हें जयपुर में आयोजित एक आईपीएल मैच में विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया। वहां इन बालिकाओं ने खिलाड़ियों को सोलर बिंदी टॉर्च और उत्पादों की जानकारी दी और पूरे स्टेडियम में महिला सशक्तिकरण का संदेश गूंज उठा। प्रशिक्षण का समापन समारोह हरमाड़ा स्थित बिंदी इंटरनेशनल कार्यालय में हुआ, जहां विकास पथ सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ प्रभाकर सिंह मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, नेपाल और राजस्थान से आई लगभग 35 सोलर सखियों को प्रमाण पत्र व डेमो किट भेंट कर सम्मानित किया।

कामतानाथ परिक्रमा में चला स्वच्छ तीर्थ अभियान, स्वच्छ रखने की दिलाई शपथ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के पवित्र कामतानाथ परिक्रमा मार्ग पर स्वच्छ तीर्थ अभियान में एक विशेष स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम किया गया। यह अभियान परिक्रमा के तृतीय मुखारविंद के पास चलाया गया, जिसमें तीर्थ क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने का संकल्प लिया गया। अधिशासी अधिकारी लाल जी ने इस अवसर पर कहा कि स्वच्छता सिर्फ सरकार की नहीं, हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। कहा कि स्वयं को स्वच्छ रखने से लेकर अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाना हमारे जीवन की प्राथमिकता होनी चाहिए। कामदगिरि स्वच्छता समिति के अध्यक्ष राकेश केसरवानी ने महात्मा गांधी के स्वच्छता संबंधी विचारों को याद करते हुए कहा कि गांधी जी का सपना था कि प्रत्येक भारतवासी स्वच्छता के महत्व को समझे और उसे अपने जीवन में उतारे। दुकानदारों से मेरा आग्रह है कि पर्वत की ओर कचरा न फेंकें और कामतानाथ पर्वत को स्वच्छ रखने में प्रशासन का सहयोग करें। जिला प्रबंधक स्वच्छ भारत मिशन शिवा कुमार ने बताया कि यह सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय मिशन है, जो जन-जन को जोड़कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने सभी से पॉलिथीन का प्रयोग न करने और इधर-उधर कचरा न फेंकने की अपील की। इस अभियान में राजेंद्र त्रिपाठी, जितेंद्र केसरवानी, अंकुर केसरवानी, जानकी कुशवाहा, विनोद कुमार, मनोज कुमार अन्य मौजूद रहे।

स्वच्छ तीर्थ अभियान में सफाई करते सदस्य

टेक्नोलॉजी और परंपरा की संगत से बहेगी मां मंदाकिनी

● मंदाकिनी के पुनर्जीवन की राह पर जलदूत

● वर्षा जल संचयन पर राष्ट्रीय कार्यशाला

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। खेत का पानी खेत में और गाँव का पानी गाँव में- इसी मंत्र के साथ राष्ट्रीय तकनीकी दिवस (11 मई 2025) के मौके पर दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केन्द्र, मझगवाँ में वर्षा जल संचयन से मंदाकिनी नदी का पुनर्जीवन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यक्रम में विचारों की गूंज सिर्फ विज्ञान तक सीमित नहीं रही, बल्कि प्रकृति, परंपरा और पंचतत्व से संवाद का माध्यम बनी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन ने की। उन्होंने पं दीनदयाल उपाध्याय एवं राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कहा कि जनभागीदारी से ही जल संरक्षण सतत व प्रभावशाली बन सकता है। वर्षा जल को भूमि से जोड़ने का समय अब नहीं, तो कभी नहीं। कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ नवीन शर्मा ने मृदा एवं जल संरक्षण की वैज्ञानिक विधियों पर जानकारी दी। इसके बाद डॉ जागरे ने केंद्र द्वारा किए गए वर्षा जल संचयन कार्यों को प्रभावशाली पॉवर प्वाइंट के माध्यम से प्रस्तुत किया। डॉ राजेश तिवारी ने मंदाकिनी नदी के सूखने के कारणों व वर्षा जल संचयन से इसके पुनर्जीवन की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी, जबकि प्रवीण पाठक ने 11 से 18 मई तक चलने वाले माँ मंदाकिनी पुनर्जीवन अभियान की रूपरेखा साझा की। कार्यक्रम में कृषक अनूप सिंह ने बताया कि ग्रामीण जनसहयोग से बनाए गए नालों और बंधानों से गाँव में जलस्तर बढ़ा है और अब दो फसलें ली जा रही हैं। महिला कृषक कमलेश कुमारी गौतम ने 16 पंचायतों में जल उपयोग के प्रति जनजागरण अभियान चलाने का अनुभव साझा किया। सुश्री संजना जैन ने किसानों से खेतों में छोटे तालाब, हैंडपंप रिचार्जिंग व नलकूप सुधार जैसी योजनाओं में भागीदारी की अपील करते हुए बताया कि शासन हर स्तर पर किसानों के साथ खड़ा है। कार्यक्रम में 94 जलदूतों व कृषकों ने भाग लिया। संचालन प्रसार वैज्ञानिक पंकज शर्मा ने किया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि थे प्रो भरत मिश्रा, कुलपति, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुश्री संजना जैन (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, सतना), प्रवीण पाठक (संभागीय समन्वयक, जन अभियान परिषद, रीवा), डॉ राजेश तिवारी (जिला समन्वयक, सतना), डॉ नवीन शर्मा (वरिष्ठ वैज्ञानिक) एवं डॉ अखिलेश कुमार जागरे मौजूद रहे।

राष्ट्रीय कार्यशाला पर बोलते महासचिव अभय महाजन

साथ मिलकर कश्मीर मुद्दे का हल निकालेंगे- डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद 10 मई को दोनों देशों ने संघर्षविराम की घोषणा की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि यूएस ने इस संघर्षविराम में मध्यस्थता की भूमिका निभाई। ट्रंप ने संघर्ष विराम के लिए अपने 'ट्रुथ सोशल' पर दोनों देशों के नेतृत्व की बुद्धिमता और दूरदर्शिता की सराहना की।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, "मैं भारत और पाकिस्तान की मजबूत और समझदार नेतृत्व की बहुत सराहना करता हूं, जिन्होंने समय रहते अपनी बुद्धि और धैर्य से यह समझ लिया कि अब और लड़ाई को रोकना जरूरी है। क्योंकि, युद्ध से विनाशकारी परिणाम मिल सकते थे। लाखों अच्छे और निर्दोष लोग मारे जा सकते थे। आपके इस साहसी फैसले से आपका नाम और सम्मान बढ़ा है।" ट्रंप ने आगे लिखा, "मुझे गर्व है कि अमेरिका इस ऐतिहासिक और बहादुरी भरे फैसले में मदद कर सका। भले ही इस पर बात नहीं हुई है, लेकिन मैं अब भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ व्यापार को काफी बढ़ाने का इरादा रखता हूं। साथ ही, मैं कश्मीर के मुद्दे पर भी दोनों देशों के साथ मिलकर कोई शांतिपूर्ण हल निकालने की कोशिश करूंगा, भले ही इसमें बहुत समय लगे। भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व को इस अच्छे काम के लिए दिल से शुभकामनाएं।"

बता दें कि 10 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर बड़ी घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि भारत-पाकिस्तान पिछले तीन दिनों से जारी संघर्ष पर तत्काल पूर्ण युद्ध विराम के लिए सहमत हो गए हैं। यह सहमति अमेरिका की मध्यस्थता से पूरी हुई है।डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ पर एक पोस्ट में लिखा, "अमेरिका की मध्यस्थता में रात में चली लंबी वार्ता के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्ध विराम पर सहमत हो गए हैं।"

बांग्लादेश में हसीना को प्रधानमंत्री बताने पर स्थानीय मीडिया हाउस के कार्यालय में आग लगाई

खुलना। बांग्लादेश में शेख हसीना को प्रधानमंत्री बताने पर स्थानीय मीडिया हाउस के कार्यालय में आग लगा दी गयी है।

खुलना में 'डेली देश शोंगजोग' नामक एक स्थानीय मीडिया प्रकाशन के कार्यालय में हसीना को प्रधानमंत्री बताने पर आग लगा दी गई। आगजनी के इस हमले के अपराधियों का पता नहीं चल पाया है।

ह्यडेली ऑब्जर्वरह्ल की रिपोर्ट के अनुसार मुंशी महबूबुल आलम ह्यसोहागह्ल अखबार के संपादक हैं। वह अवामी लीग की खुलना महानगर इकाई के कार्यालय सचिव के रूप में भी काम करते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार शुक्रवार को 30-40 लोगों के एक समूह ने कार्यालय के शटर का ताला तोड़ दिया और टेबल, कुर्सियाँ और अन्य सामान को सड़क पर फेंक कर आग के हवाले कर दिया। बाद में आसपास के लोगों ने आग पर काबू पा लिया। खबर मिलने के बाद पुलिस और पत्रकार घटनास्थल पर पहुंचे।

खुलना पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी (ओसी) हवलदार सनवर हुसैन मासूम ने कहा कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस को मौके पर भेजा गया था।

यह घटना तब हुई जब अखबार ने अवामी लीग के एक नेता की मौत के बारे में हेडलाइन में कहा गया था, 'प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित अवामी लीग ने काजी इनायत की मौत पर शोक व्यक्त किया।' रिपोर्ट में हसीना को प्रधानमंत्री बताया गया और पूर्व सांसदों को वर्तमान सांसद लिखा गया।

यह घटना प्रेस सचिव शफीकुल रहमान द्वारा यह दावा किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है कि बांग्लादेश मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के शासन में प्रेस स्वतंत्रता के अभूतपूर्व युग का गवाह बन रहा है जिसमें पत्रकार अब पहले से कहीं अधिक स्वतंत्र रूप से लिख पा रहे हैं।

बांग्लादेश में हालांकि पत्रकारिता में बड़े पैमाने पर दमन देखा गया है, क्योंकि सरकार विरोधी रिपोर्टिंग पर या तो सरकारी कानूनों के माध्यम से प्रतिबंध लगाया गया है या फिर मनगढ़ंत आरोपों पर पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया है।खोजी रिपोर्टिंग को और नुकसान हुआ है, और तटस्थ पत्रकारों को 2024 में जुलाई विद्रोह जैसे विषयों के बारे में मुश्किल सवाल पूछने के लिए मीडिया हाउस से निकाल दिया गया है। कई प्रमुख मीडिया हाउस जैसे कि ह्यप्रोथोम एलोह्ल और ह्यडेली स्टारह्ल पर हमला किया गया है। मीडिया हाउस पर यह हमला प्रेस की स्वतंत्रता के दमन का नवीनतम उदाहरण है पिछले सप्ताह की शुरूआत में सांस्कृतिक मामलों के सलाहकार से मुश्किल सवाल पूछने के बाद तीन पत्रकारों को निकाल दिया गया था।

पुतिन ने यूक्रेन के साथ सीधी बातचीत का किया आह्वान

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ ह्यसीधी बातचीत का आह्वान किया। पुतिन ने रविवार को कहा,हम गंभीर बातचीत चाहते हैं। संघर्ष के मूल कारणों को दूर करने और एक स्थायी, मजबूत शांति की ओर बढ़ने के लिए!

यह बयां यूरोपीय नेताओं में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन के यूक्रेन का दौरा करने और रूस से बिना शर्त 30-दिवसीय युद्धविराम पर सहमत होने का आग्रह करने के कुछ घंटों बाद आया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने जवाब में कहा था कि

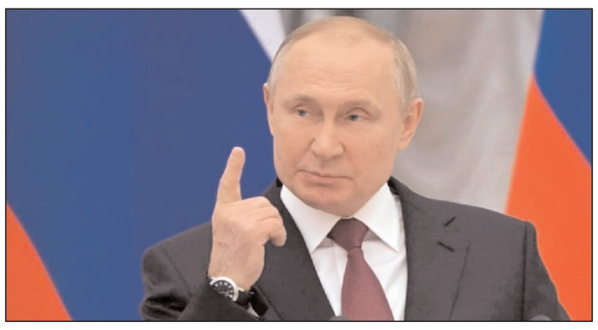

मास्को को 'इस पर विचार करना होगा' लेकिन चेतावनी दी,ह्लहम पर दबाव डालने की कोशिश करना बिल्कुल बेकार है।

पुतिन ने कहा कि वह इस संभावना से 'इनकार नहीं करेंगे' कि वार्ता के परिणामस्वरूप रूस और यूक्रेन 'नए युद्धविराम, एक नए युद्धविराम' पर सहमत हो सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, रूस के नेता ने कहा कि वह रविवार को तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से बात करेंगे और विवरण पर चर्चा करेंगे। यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन का दौरा किया और एक महीने के युद्धविराम का आह्वान किया।

फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और पोलैंड के नेता तथाकथित 'इच्छुक गठबंधन' का हिस्सा थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की द्वारा मेजबानी की गई और इन देशों के नेताओं ने यात्रा के दौरान एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर श्री पुतिन बिना शर्त 30-दिवसीय युद्ध विराम पर सहमत नहीं होते हैं, तो रूस के ऊर्जा और बैंकिंग क्षेत्रों पर ह्यनए एवं बड़े पैमाने परह्ल प्रतिबंध लगाए जाएँगे।

चीनी राष्ट्रपति ने सर्बिया के राष्ट्रपति और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री से मुलाकात की

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मॉस्को में सोवियत संघ की महान देशभक्ति युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में भाग लेने के दौरान क्रमशः सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फि को से मुलाकात की।

सर्बियाई राष्ट्रपति वुसिक से भेंट के दौरान, शी चिनफिंग ने कहा कि पिछले वर्ष मई में उनकी सर्बिया की सफल राजकीय यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच "नए युग में साझे भविष्य वाले समुदाय" के निर्माण की मजबूत शुरूआत हुई है और इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिले हैं।

उन्होंने यह बल दिया कि मौजूदा समय में दुनिया एक सदी में एक बार आने वाले गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, जहां अनेक जोखिम और चुनौतियां सामने हैं। ऐसे में चीन और सर्बिया को रणनीतिक स्पष्टता और स्थिरता बनाए रखते हुए अपने-अपने विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों को परस्पर अटूट मित्रता को आगे बढ़ाते हुए आपसी लाभ वाले सहयोग को गहरा करना चाहिए और उच्च गुणवत्ता वाले साझे भविष्य वाले समुदाय के निर्माण को सशक्त बनाना चाहिए।

शी चिनफिंग ने यह भी कहा कि चीन सर्बिया के साथ मिलकर रणनीतिक समन्वय को मजबूत करना चाहता है, जिसमें एक-दूसरे का समर्थन बढ़ाना, व्यापार और निवेश सहयोग को सशक्त बनाना और प्रमुख परियोजनाओं के निर्माण व संचालन को प्रोत्साहित करना शामिल है।

अमेरिका के तथाकथित 'पारस्परिक टैरिफ' पर चीन और रूस के बीच चर्चा

बीजिंग। रूस की राजधानी मॉस्को में चीनी वाणिज्य मंत्री वांग वनथाओ और रूसी आर्थिक विकास मंत्री मैक्सिम रेशेतनिकोव के बीच हुई बैठक में द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने तथा अमेरिका द्वारा लगाए गए तथाकथित "पारस्परिक टैरिफ" के प्रति संयुक्त प्रतिक्रिया पर चर्चा हुई।

दोनों नेताओं ने उन्नत चीन-रूस बीमा समझौते के कार्यान्वयन और व्यापार-निवेश सहयोग को गति देने पर जोर दिया। वांग वनथाओ ने कहा कि दोनों देशों के नेताओं के रणनीतिक मार्गदर्शन में, नए युग में चीन-रूस समन्वय की व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार गहरी हो रही है, आर्थिक और व्यापारिक सहयोग का अच्छा विकसित रुझान बनाए रखता है।

दोनों पक्षों को उन्नत संस्करण वाले "निवेश के संवर्धन और पारस्परिक संरक्षण पर चीन-रूस समझौते" की भूमिका को पूरी तरह से निभाते हुए दोनों देशों के उद्यमों के लिए अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष निवेश और कारोबारी माहौल प्रदान करना चाहिए और चीन-रूस आर्थिक व व्यापारिक सहयोग के उच्च गुणवत्ता वाले विकास को लगातार बढ़ावा देना चाहिए।

चीनी वाणिज्य मंत्री ने चीन के अमेरिका द्वारा तथाकथित "पारस्परिक टैरिफ" के दुरुपयोग का दृढ़ता से विरोध पर प्रकाश डाला और कहा कि चीन ने दृढ़ प्रतिकार उपाय अपनाए हैं। उनका कहना है कि पूर्ण एवं व्यापक मूल्यांकन के बाद, चीन ने हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ उच्च स्तरीय आर्थिक एवं व्यापार वार्ता आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की है। चीन का रुख हमेशा से सुसंगत है। अपने स्वयं के विकास हितों की रक्षा करने के लिए चीन का दृढ़ संकल्प नहीं बदलेगा और अंतर्राष्ट्रीय निष्पक्षता व न्याय की रक्षा करने तथा अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक और व्यापारिक व्यवस्था को बनाए रखने का चीन का रुख और लक्ष्य नहीं बदलेगा।

वहीं, रूसी मंत्री रेशेतनिकोव ने कहा कि रूस और चीन के बीच आपसी लाभ वाला सहयोग किसी तीसरे पक्ष के विरुद्ध नहीं है और यह दोनों देशों के मौलिक हित में है। हाल के वर्षों में, दोनों पक्षों के बीच व्यापार मजबूत बना हुआ है तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग परियोजनाएं सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं।

भविष्य में, दोनों पक्षों को सहयोग के अवसरों का लाभ उठाते हुए औद्योगिक सहयोग को और गहरा करना चाहिए, दोतरफा निवेश का विस्तार करना चाहिए और नए विकास बिंदुओं का विकास करना चाहिए।

चीन और सिंगापुर ने चौथा संयुक्त समुद्री अभ्यास 'सहयोग-2025' शुरू किया

बीजिंग। चीन और सिंगापुर के बीच "चीन-सिंगापुर सहयोग-2025" नामक संयुक्त समुद्री अभ्यास 9 मई को सिंगापुर के चांगी नौसैनिक अड्डे पर शुरू हुआ। इस अभ्यास में दोनों देशों की नौसेनाओं के अधिकारियों और सैनिकों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

यह दोनों राष्ट्रों द्वारा आयोजित चौथा संयुक्त समुद्री प्रशिक्षण है, जिसे तीन चरणों में विभाजित किया गया है: बंदरगाह व तटीय आदान-प्रदान, समुद्री संयुक्त अभ्यास और समापन सारांश।

बंदरगाह-तटीय आदान-प्रदान चरण के दौरान दोनों देश रणनीतिक योजना पर सेमिनार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पेशेवर क्षेत्रों में विशेष गतिविधियों का आयोजन करेंगे।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

सूडान में जेल पर ड्रोन हमला, 19 कैदियों की मौत

खार्तूम। सूडान के पश्चिमी हिस्से नॉर्थ कोदोर्फान राज्य के एल ओबैद शहर में स्थित केंद्रीय जेल पर शनिवार को ड्रोन हमले हुए। इसमें कम से कम 19 कैदियों की मौत हो गई और 45 से अधिक घायल हो गए। यह जानकारी एक चिकित्सा सूत्र और चश्मदीदों ने दी।

एल ओबैद अस्पताल के एक चिकित्सा सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अस्पताल में 19 शव और 45 घायल लाए गए हैं। उसने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

जेल भवन के पास मौजूद एक चश्मदीद ने बताया, "तीन ड्रोन ने पांच मिसाइलें दागीं, जिनमें से तीन सीधे जेल भवन और कैदियों के रहने वाले हिस्से पर गिरीं।"

एक अन्य चश्मदीद ने कहा, "जेल के अंदर राहत और बचाव कार्य अब भी जारी है और

मृतकों और घायलों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से अधिक हो सकती है।"

अब तक इस घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) ने हाल ही में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में सैन्य ठिकानों और प्रमुख सुविधाओं पर ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं, जिनमें एल ओबैद भी शामिल है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, आरएसएफ ने पोर्ट सूडान पर सातवें दिन भी ड्रोन हमला जारी रखा। यह शहर मई 2023 से देश की प्रशासनिक राजधानी बन चुका है। हालांकि, आरएसएफ ने इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

गौरतलब है कि अप्रैल 2023 के मध्य से सूडान में एसएएफ और आरएसएफ के बीच भीषण संघर्ष चल रहा है, जिसमें अब तक हजारों लोग मारे जा चुके हैं। सटीक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, इस संघर्ष के चलते अब तक 1.5 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं।

ईरानी विदेश मंत्री अराघची की अमेरिका को दो टूक, बोले- हम अपने परमाणु अधिकार नहीं छोड़ेंगे

दोहा। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने ओमान में अपनी 'अप्रत्यक्ष वार्ता' के चौथे दौर से एक दिन पहले स्पष्ट कर दिया कि उनका देश अमेरिका के साथ वार्ता में अपने परमाणु अधिकारों को लेकर अटल रहेगा।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि शनिवार को दोहा में चौथे अरब-ईरानी वार्ता सम्मेलन में अराघची ने दोहराया कि ईरान हमेशा से परमाणु अप्रसार का प्रतिबद्ध सदस्य रहा है और यूरेनियम संवर्धन सहित परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अपने अधिकार को बनाए रखता है।

उन्होंने पुष्टि की, "हम परमाणु हथियार नहीं चाहते हैं और सामूहिक विनाश के हथियारों का ईरान के सुरक्षा सिद्धांत में कोई स्थान नहीं है। यही इस कारण से, हम पश्चिम एशियाई क्षेत्र को परमाणु-हथियार-मुक्त क्षेत्र बनाने की दिशा में आगे बढ़े।"

अराघची ने कहा कि ईरान अमेरिका के साथ-साथ अन्य देशों के साथ सद्भावनापूर्वक बातचीत करना जारी रखेगा।

उन्होंने कहा, "यदि इन वाताओं का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल न करे, तो यह पूरी तरह से प्राप्त करने योग्य है, और समझौता आसानी से हो सकता है।"

हालांकि, यदि लक्ष्य ईरान को उसके परमाणु अधिकारों से वंचित करना या अन्य अवास्तविक मांगें थोपना है, तो ईरान इनमें से किसी भी अधिकार से पीछे नहीं हटेगा।

ईरान ने बार-बार कहा है कि यूरेनियम

संवर्धन का उसके अधिकार पर किसी तरह की बात नहीं हो सकती है और उसने कुछ अमेरिकी अधिकारियों के "शून्य संवर्धन" की मांग को खारिज कर दिया है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने शुक्रवार को एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका के साथ किसी भी समझौते के तहत ईरान की "संवर्धन सुविधाओं को खत्म करना होगा।"

ट्रंप ने तेहरान और विश्व शक्तियों के बीच 2015 के समझौते से खुद (अमेरिका) को अलग कर लिया है। पश्चिमी देशों का मानना है कि अब 2015 के समझौते के लगभग निष्क्रिय होने के बाद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को तेज कर दिया है और इसका उद्देश्य हथियारों का उत्पादन करना है जबकि ईरान का कहना है कि यह पूरी तरह से नागरिक उद्देश्यों के लिए है।

हालांकि, तेहरान नियमित रूप से इजरायली शहरों को ध्वस्त करने की धमकी देता है और वर्तमान में यूरेनियम को ऐसे स्तरों तक समृद्ध कर रहा है जिसका नागरिक उपयोग नहीं किया जा सकता। अराघची ने दावा किया, "अमेरिका के साथ हम सीधी बातचीत नहीं कर रहे हैं, लेकिन ईरान परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अपने अधिकार पर जोर देता है और स्पष्ट रूप से घोषणा करता है कि वह परमाणु हथियार नहीं चाहता है। ईरान सद्भावनापूर्वक वार्ता जारी रखता है, लेकिन अगर हमारा अधिकार छीनने की कोशिश हुई, तो हम कभी नहीं मानेंगे। ईरान अपने अधिकारों से कभी पीछे नहीं हटेगा।"

इस मामले से परिचित एक सूत्र ने बताया कि विटकॉफ रविवार को अराघची के साथ ओमानी मध्यस्थता वाली वार्ता के चौथे दौर के लिए ओमान की यात्रा करने वाले थे।

चौथे दौर की वार्ता, जो शुरू में 3 मई को रोम में होने वाली थी, को मध्यस्थ ओमान द्वारा "तार्किक कारणों" का हवाला देते हुए स्थगित कर दिया गया।